RNI : PBHIN/25/A4135

सत्ता संदेश साप्ताहिक

सम्पादक : जितेंद्र कुमार Website : www.sattasandesh.com YouTube : @sattasandesh25

The Power of Print...

तीन मिनट की परफॉर्मेंस के लिए ....6 | वर्ष :2 | अंक : 4 | 26 जनवरी : 2026 | मूल्य रु. 5.00 /- | पृष्ठ : 8 | Email : sattasandesh25@ gmail.com | घुटने की समस्या के कारण लिया सायना 8

आज का इतिहास

26 जनवरी -भारत में संविधान लागू हुआ

26 जनवरी 1950 को भारत में संविधान लागू हुआ और देश एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न गणराज्य बना। इसी दिन से भारत में गणतंत्र दिवस हर वर्ष बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाता है।

26 जनवरी 1930 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की थी। इसी कारण 20 वर्ष बाद इसी तारीख को संविधान लागू करने का निर्णय लिया गया।

जापान में संसद भंग, 8 फरवरी को आम चुनाव की तैयारी

टोक्यो- जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संसद के निचले सदन को भंग करने की घोषणा कर दी, जिससे 8 फरवरी को आम चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। यह कदम उनकी ऊँची लोकप्रियता को भुनाने और सत्तारूढ़ दल को हाल के वर्षों में हुए राजनीतिक नुकसान के बाद फिर से मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।हालांकि, इस फैसले के चलते उस बजट पर मतदान में देरी होगी, जिसका उद्देश्य कमजोर होती अर्थव्यवस्था को गति देना और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाना है।

अमृतपाल सिंह की पैरोल याचिका पर एक सप्ताह में निर्णय का आदेश

चंडीगढ़- खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह द्वारा संसद के आगामी बजट सत्र में भाग लेने के लिए दायर की गई पैरोल याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को सात कार्यदिवसों के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि सरकार अपने निर्णय की सूचना अमृतपाल सिंह और उनके वकीलों को दे। उल्लेखनीय है कि अमृतपाल सिंह इस समय राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में हैं।

अरविंद केजरीवाल को बड़ी कानूनी राहत, ईडी के दो मामलों से बरी

नई दिल्ली- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को अदालत से बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए दो मामलों में उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। ये मामले दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ी जांच के दौरान जारी किए गए समनों की अवहेलना से संबंधित थे। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि केजरीवाल के खिलाफ इन मामलों में आगे कार्यवाही के पर्याप्त आधार नहीं बनते।

ईरान की ट्रंप को कड़ी चेतावनी

किसी भी हमले को 'पूरी तरह से युद्ध' मानेंगे

तेहरान- ईरान ने कहा है कि वह अपनी जमीन पर किसी भी हमले को 'पूरी तरह से' एक युद्ध मानेगा और यथासंभव सख्ती से जवाब देगा। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर यह बात कही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'हम इस बार किसी भी हमले को हमारे खिलाफ पूरी तरह से युद्ध मानेंगे, चाहे वह सीमित, असीमित, सर्जिकल, काइनेटिक या कुछ और हो। हम जितना संभव हो उतनी सख्ती से इसका जवाब देंगे।'

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि बड़ी संख्या में अमेरिकी सैन्य जहाज ऐहतियात के तौर पर ईरान की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान अपने मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों को विकसित करना जारी रखने की कोशिश करता है तो वह ईरान पर हमलों का समर्थन करेंगे। उन्होंने हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी ईरान को एक 'शक्तिशाली हमले' की धमकी दी थी। उन्होंने ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बीच यह भी कहा कि उनका मानना है कि इस्लामिक गणराज्य को नये नेतृत्व की जरूरत है।

ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और एक 'विशाल बेड़ा' खाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने कहा, अगर आप (प्रदर्शनकारियों को) फांसी देते हैं, तो आप पर पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोरदार हमला होगा। इसके आगे ईरान परमाणु ठिकानों पर किये गये हमारे हमले मामूली नज़र आयेंगे। हमारा एक विशाल बेड़ा उस दिशा में जा रहा है। शायद हमें इसके इस्तेमाल की जरूरत न पड़े, लेकिन हम देखेंगे।'

चाइना डोर बनी मौत का फंदा

10वीं के छात्र की चाइना डोर से गर्दन कटने के कारण दर्दनाक मौत

समराला (लुधियाना)-चाइना डोर के खिलाफ सख्ती के दावों के बीच समराला क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शनिवार को स्कूल से घर लौट रहे 10वीं कक्षा के 15 वर्षीय छात्र की पतंग की खतरनाक डोर से गर्दन कटने के कारण मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव रोहाले निवासी तरनजोत सिंह के रूप में हुई है, जो अपने परिवार का इकलौता बेटा था।

जानकारी के अनुसार, तरनजोत अपने चचेरे भाई प्रभजोत सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर स्कूल से घर लौट रहा था। जैसे ही वे लुधियाना-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर गांव चहलां के नजदीक पहुंचे, सड़क पर फंसी पतंग की डोर अचानक तरनजोत की गर्दन में उलझ गई। डोर की धार इतनी तेज थी कि उसकी गर्दन गंभीर रूप से कट गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

इस हादसे में मोटरसाइकिल चला रहा प्रभजोत सिंह भी डोर की

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

गणतंत्र दिवस- इस तरह बना भारत गणराज्य

गणतंत्र दिवस भारत की राष्ट्रीय यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और देश औपचारिक रूप से एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना। यद्यपि 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी और औपनिवेशिक शासन का अंत हो गया था, लेकिन कानून, संस्थागत जवाबदेही और नागरिकों की इच्छा पर आधारित स्वशासन की पूर्ण स्थापना संविधान के लागू होने के साथ ही संभव हुई।

इस संवैधानिक उपलब्धि को हर वर्ष गणतंत्र दिवस के रूप में पूरे देश में उत्सवपूर्वक मनाया जाता है। ये समारोह लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली और भारत की विविधता को प्रतिबिंबित करते हैं। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में यह भावना सबसे अधिक दिखाई देती है, जहाँ सैन्य अनुशासन, सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का संतुलित प्रदर्शन होता है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भारत की सांस्कृतिक विविधता को रेखांकित करती हैं। देशभर में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आधिकारिक आयोजन गणतंत्र दिवस को एक साझा नागरिक उत्सव का रूप देते हैं।

77वां गणतंत्र दिवस-वंदे मातरम के 150 वर्ष

77वें गणतंत्र दिवस समारोहों की विषय-वस्तु 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। इस विषय पर आधारित परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, झांकियां और सार्वजनिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। भारत का राष्ट्रीय गीत इस वर्ष स्वतंत्रता संग्राम, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और समकालीन राष्ट्रीय आकांक्षाओं को जोड़ते हुए समारोहों के केंद्र में रहेगा।

राष्ट्रीय स्तर पर, गणतंत्र दिवस परेड 2026 को व्यापक जनभागीदारी के साथ भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। परेड की मुख्य अतिथि यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष होंगी, जो भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को दर्शाता है। इस वर्ष परेड में पहली बार भारतीय सेना की युद्ध व्यूह रचना का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड 2026 के प्रमुख कार्यक्रम

गणतंत्र दिवस परेड में 'स्वतंत्रता का मंत्र - वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्र - आत्मनिर्भर भारत' विषयों पर आधारित राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की कुल 30 झांकियां शामिल होंगी। कर्तव्य पथ पर होने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लगभग 2500 कलाकार भाग लेंगे।

इसके अतिरिक्त, देशभर से किसानों, हस्तशिल्पियों, वैज्ञानिकों, नवोन्मेषकों, महिला उद्यमियों, छात्रों, खिलाड़ियों, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों सहित लगभग 10,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

नागरिक सहभागिता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

गणतंत्र दिवस की भावना को समारोह स्थल से आगे ले जाने के लिए सरकार ने नागरिक-केंद्रित पहलकदमियां शुरू की हैं। 'माई गॉव' और 'माई भारत' मंचों के माध्यम से युवाओं और रचनात्मक समुदायों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। इनमें निबंध, पेंटिंग, गायन और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल हैं, जिनके विषय वंदे मातरम, आत्मनिर्भर भारत, अंतरिक्ष, खेल और राष्ट्रीय विकास से जुड़े हैं।

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेताओं को गणतंत्र दिवस समारोहों से जुड़ने का अवसर दिया जाएगा, जिससे जनभागीदारी और राष्ट्रीय उत्सव के बीच सीधा संबंध स्थापित होगा।

26 जनवरी- पूर्ण स्वराज से संविधान तक

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में चुना जाना एक सोचा-समझा ऐतिहासिक निर्णय था। यह तारीख 1930 में मनाए गए पूर्ण

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का पहला साल दुनिया के लिए उथल-पुथल भरा रहा

अमरीकी नीतियों का चीन को हुआ सबसे अधिक फायदा

वाशिंगटन (सत्ता संदेश)- डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का पहला साल दुनिया के लिए उथल-पुथल भरा रहा। एक साल के भीतर ट्रम्प ने सैंकड़ों कार्यकारी आदेश जारी किए, व्यापार युद्ध छेड़ा, कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से अमरीका को बाहर निकाला और आक्रामक विदेश नीति अपनाई। हालात ऐसे बने कि कभी रूस से डरने वाला यूरोप अब अमरीका को ही सबसे बड़ा जोखिम मानने लगा है। दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे भू-राजनीतिक भूचाल का सबसे बड़ा अप्रत्याशित फायदा चीन को होता दिख रहा है। हालात यह हैं कि चीन 'मेक चाइना ग्रेट अगेन' के नारे का अनुसरण करते हुए नजर आ रहा है, जबकि ट्रम्प का 'मेक अमरीका ग्रेट अगेन' का नारा अमरीका के गले की फांस बनाता हुआ दिख रहा है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प सत्ता में आए तो उनका मकसद चीन को घेरना था। टैरिफ बढ़ाए गए, तकनीकी सहयोग पर रोक की बात हुई, लेकिन एक साल बाद नतीजा उलटा नजर आ रहा है। 2025 के अंत तक चीन का व्यापार अधिशेष रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कनाडा है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बीजिंग यात्रा को दोनों देशों ने नई रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत बताया। चीन ने कनाडा के कुछ उत्पादों पर टैरिफ घटाने पर सहमति दी, जबकि कनाडा ने चीनी इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए बाजार खोला। यह यात्रा लगभग एक दशक के ठंडे रिश्तों के बाद हुई। कनाडा अकेला नहीं है,

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

ट्रम्प के दौर में 'चीन और महान' होता नजर आ रहा है

ट्रम्प ने राजनीति में कदम अमरीका को महान बनाने के लिए रखा था, लेकिन उनकी नीतियों ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां चीन पहले से ज्यादा मजबूत, ज्यादा जुड़ा और ज्यादा प्रभावशाली दिख रहा है। यानी अनजाने में ही सही ट्रम्प के दौर में 'चीन और महान' होता नजर आ रहा है। ट्रम्प प्रशासन ने कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और व्यापार समझौतों से अमरीका को अलग कर लिया। इससे वैश्विक नेतृत्व में खालीपन पैदा हुआ। इस खाली जगह को चीन ने तेजी से भरा। आज कई देश चीन को भरोसेमंद व्यापारिक सांझेदार मानने लगे हैं, जबकि अमरीका को अनिश्चित और आक्रामक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है।

पंजाब की नगर निगमों द्वारा उड़ाई जा रही कोर्ट के आदेशों की धज्जियां!

लुधियाना (सत्ता संदेश)- पंजाब की नगर निगमों, कमेटियों और काउंसिलों में सुप्रीम कोर्ट और पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के खुलेआम उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में, एडिशनल ड्यूटी चार्ज (सीडीसी) और बिना मान्यता वाली डीम्ड यूनिवर्सिटी की डिग्री और डिप्लोमा के आधार पर नियुक्ति पत्र और प्रमोशन दिए जाने के चलते भ्रष्टाचार होने के आरोप हैं।

सुप्रीम कोर्ट में दायर सिविल याचिका नंबर 17869-17870 दिनांक 3 नवंबर 2017 के अनुसार, कुछ डीम्ड यूनिवर्सिटी की डिग्री और डिप्लोमा को इनवैलिड घोषित किया गया था और साफ आदेश दिए गए थे कि ऐसी डिग्रियों के आधार पर की गई सभी अपॉइंटमेंट और प्रमोशन का रिव्यू किया जाए। इसके बाद पंजाब सरकार के पर्सनेल डिपार्टमेंट और लोकल गवर्नमेंट डिपार्टमेंट ने भी कई पत्र जारी करके सभी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन को तुरंत सीडीसी का एडिशनल चार्ज वापस लेने और डिग्रियों को वेरिफाई करने के आदेश दिए। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, पटियाला, बठिंडा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में ये ऑर्डर सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहे। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन लुधियाना में श्री तेजिंदर सिंह एसटीओ, श्री चमन सिंह जूनियर इंजीनियर सिविल, श्री तरनजीत सिंह एसआईओ, श्री राधा सिंह जूनियर इंजीनियर सिविल, श्री सतवंत सिंह बिल्डिंग इंस्पेक्टर टेक्निकल, श्री प्रदीप मित्रा सहगल बिल्डिंग इंस्पेक्टर टेक्निकल और असिस्टेंट टाउन प्लानर एडिशनल चार्ज पर काम कर रहे थे। अब रिटायर हो चुके हैं। इसी

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

एडिशनल सीडीसी चार्ज, और गैर-मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीयों की डिग्रियों से प्रमोशन का गोरखधंधा खुलेआम जारी

क्या जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी होगी कोई सख्त कार्रवाई?

26 जनवरी से पहले दिल्ली-अमृतसर रेलवे ट्रैक उड़ाने की कोशिश

सरहिंद -26 जनवरी से पहले दिल्ली-अमृतसर मुख्य रेलवे लाइन को देर रात उड़ाने की कोशिश का मामला सामने आया है। सरहिंद के नजदीक खानपुर गांव के पास रेलवे पोल नंबर 1208 के समीप जोरदार धमाका हुआ, जिससे करीब 600 मीटर रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय कोई अन्य ट्रेन उस मार्ग से नहीं गुजर रही थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, एक मालगाड़ी का इंजन पटरी से उतर गया और उसका चालक घायल हो गया। घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें, यह ट्रैक मालगाड़ी के लिए ही था।

हिमाचल में बर्फबारी से कई इलाके कटे

बदला मौसम, सैकड़ों वाहन जगह-जगह फंसे, दूध, ब्रेड और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित

शिमला- हिमाचल में फिर कड़ाके की सर्दी ने दस्तक दी है। प्रदेश के कई हिस्सों में हुई भारी बर्फबारी और बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ी इलाकों में सड़कें बंद होने से संपर्क टूट गया है।

राज्य में बर्फबारी के दूसरे दिन भी हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार प्रदेश में 1291 सड़कें बंद पड़ी हैं, जिससे शिमला, मनाली, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा जैसे इलाकों में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है।

दूध-ब्रेड की आपूर्ति प्रभावित- सड़कों के बंद होने से दूध, ब्रेड, सब्जियां और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है। कई इलाकों में राशन की किल्लत की स्थिति बन रही है। शिमला, मनाली और डलहौजी में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। कई स्थानों पर स्कूलों

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

हजारों पर्यटक फंसे

प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर हजारों पर्यटक फंसे हुए हैं। कुल्लू-मनाली में लगभग 100 से अधिक वाहन पिछले 48 घंटों से फंसे हुए हैं। प्रदेश में 10,384 ट्रांसफार्मर ठप हो जाने से कई इलाकों में बिजली गुल है। बर्फबारी से मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं भी बाधित हुई हैं। लोक निर्माण विभाग और प्रशासन द्वारा सड़कों को खोलने का कार्य जारी है, लेकिन लगातार हो रही बर्फबारी राहत कार्यों में बाधा बन रही है।

बी.बी.एम.बी. में खाली पड़े 2500 पदों को भरने के लिए सरकार विशेष कैडर के गठन में जुटी

*** पिछली सरकारों ने खाली पदों को भरने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई**

*** अभी तैयार किये जा रहे हैं बी.बी.एम.बी. के कैडर में भर्ती के नियम व शर्तें**

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब सरकार ने भाखड़ा ब्यास मैनेजमैंट बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) में कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए कर्मचारियों का एक विशेष कैडर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत विभिन्न विभागों में तैनात अतिरिक्त कर्मचारियों को यहां शिफ्ट किया जाएगा, जबकि अन्य खाली पदों को सीधी भर्ती के जरिए भरा जाएगा। पंजाब मंत्रिमंडल ने बी.बी.एम.बी. में खाली पड़े 2500 पदों को भरने की मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद सिंचाई विभाग ने पंजाब पब्लिक सर्विस कमीशन (पी.पी.एस.सी.) से भी मंजूरी ले ली है। बी.बी.एम.बी. के कैडर में भर्ती के नियम व शर्तें अभी तैयार की जा रही हैं और इसी साल चुनाव से पहले भर्ती संबंधी नोटिफिकेशन जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पिछली सरकारों ने खाली पदों को भरने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। जबकि, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों को तैनात किया गया। हरियाणा को इसका ज्यादा लाभ मिला क्योंकि उसने 5 साल पहले ही विशेष कैडर का गठन किया तब से लगातार तय नियमों के तहत भर्ती की जा रही है। कर्मचारियों का मुद्दा पिछले साल मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और बी.बी.एम.बी. के बीच हरियाणा को पंजाब के पानी के हिस्से के आबंटन को लेकर हुए विवाद के दौरान प्रमुखता से सामने आया था। बी.बी.एम.बी. के विभिन्न प्रमुख पदों पर पंजाब कैडर के अफसरों की तैनाती को लगातार कम होते देख राज्य सरकार ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बी.बी.एम.बी .सूत्रों के मुताबिक यहां 1486 टैक्नीकल पद खाली हैं, जिनमें 568 फोरमैन के पद शामिल हैं। फोरमैन बांधों, टर्बाइनों, बांध के गेट, गैलरी के रख-रखाव और मुरम्मत के साथ-साथ हाई-वोल्टेज पावर ट्रांसमिशन लाइनों के रख-रखाव के लिए बहुत जरूरी होते हैं। बी.बी.एम.बी. में 3297 टैक्नीकल पदों की कुल स्वीकृत संख्या में से अब लगभग 45 प्रतिशत टैक्नीकल पद खाली हैं। दूसरी तरफ बी.बी.एम.बी. कैडर के तहत भर्ती किए गए कर्मचारियों को विशेष रूप से बी.बी.एम.बी. प्रोजैक्ट्स में सेवा के लिए नियुक्त किया जाएगा और उन्हें वापस पंजाब राज्य कैडर में ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। पहले बी.बी.एम.बी. में तैनात पंजाब कैडर के कर्मचारी, जो ज्यादातर सिंचाई और बिजली विभागों से थे, अकसर राज्य में वापस ट्रांसफर चाहते थे, जिससे, संगठन में कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या बनाए रखना मुश्किल हो जाता था।

बी.बी.एम.बी. में पंजाब की 52 प्रतिशत हिस्सेदारी

बी.बी.एम.बी. में पंजाब की 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है और बोर्ड में पदों में भी इसी अनुपात में हिस्सेदारी का हकदार है, जिसके, प्रोजैक्ट पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में फैले हुए हैं। हालांकि, लगभग दो दशकों से, पंजाब अपने कोटे के पदों को भरने में विफल रहा है, जिससे कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है। हाल के वर्षों में पंजाब कोटे के तहत खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग 2500 हो गई है।

मौनी रॉय के साथ हरियाणा में हुई छेड़छाड़, बुजुर्गों ने फोटो खिंचवाने के बहाने कमर पर रखा हाथ

हरियाणा- अभिनेत्री मौनी रॉय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर आरोप लगाया कि हरियाणा में हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कुछ बुजुर्ग पुरुषों ने उनके साथ बदसलूकी की। उन्होंने लिखा कि पिछले दिनों करनाल में मेरा एक कार्यक्रम था और वहां आए कुछ मेहमानों, खासकर दो बुजुर्ग पुरुषों के व्यवहार से मैं बेहद आहत हूं। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और मैं मंच की ओर बढ़ी, उन बुजुर्गों और उनके परिवार के सदस्यों (सभी पुरुष) ने फोटो खिंचवाने के बहाने मेरी कमर पर हाथ रख दिया। जब मैंने उनसे कहा कि 'सर, कृपया अपना हाथ हटा लीजिए', तो उन्हें मेरी यह बात पसंद नहीं आई।

पंजाब प्रदेश प्रधान को लेकर कांग्रेस में तेज हुई खींचतान चुनावी वर्ष से पहले जगजाहिर

2027 का असेंबली चुनाव जिसके नेतृत्व में लड़ा जायेगा, टिकट वितरण में उसकी होगी अहम भूमिका

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-चुनावी वर्ष के आते ही पंजाब कांग्रेस की खींचतान सतह पर आनी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी का अनुसूचित जाति की पार्टी में अनदेखी का आरोप लगाने का वाडियो प्रसारित होने के बाद पंजाब कांग्रेस में प्रदेश प्रधान बनने को लेकर जोड़-तोड़ तेज हो गई है। कारण स्पष्ट है कि 2027 का विधानसभा चुनाव जिसके नेतृत्व में लड़ा जाएगा, टिकट वितरण में भी उसकी भूमिका अहम होगी। अगर उसके समर्थक ज्यादा जीतकर आए तो उसकी मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी भी मजबूत हो जाएगी। यही वजह है कि प्रधानगी हथियाने की कवायद तेज हो गी है। चन्नी ने प्रसारित वीडियो में प्रदेश प्रधान, नेता विपक्ष, संगठन महामंत्री व एन.एस.यू.आई. के प्रधान का पद उच्च जातियों को देने को लेकर सवाल उठाया है। इसके बाद खड़े हुए विवाद से पंजाब में कांग्रेस मुश्किल में पड़ गई है। दरअसल सारा विवाद प्रदेश प्रधान की कुर्सी को लेकर हैं। कांग्रेस का पिछले ढाई दशकों में इतिहास रहा हैं कि चुनावी वर्ष से पहले प्रधानगी की कुर्सी को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा कई मौकों पर इस बात का जिक्र भी कर चुके हैं। कांग्रेस में

प्रधानगी से ही मुख्यमंत्री की कुर्सी का दावा होता है मजबूत

2027 का चेहरा बनने की खींचतान लंबे समय से मुख्य रूप से प्रताप सिंह बाजवा, चरणजीत सिंह चन्नी, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और सुखजिंदर रंधावा की बीच चली आ रही है। ऐसे में राजा वडिंग ने इस बात पर जोर दिया कि वह 70 से 80 नए चेहरों को चुनाव मैदान में लाने के पक्ष में हैं। इसके उपरांत प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने यह घोषणा कर दी कि पार्टी 2022 की गलती को पुन: नहीं दोहराएगी और 2027 में कांग्रेस मुख्यमंत्री के चेहरे को आगे किए बिना ही चुनाव लड़ेगी। ऐसे में अगर चुनाव राजा वडिंग के नेतृत्व में लड़ा गया तो उनका पलड़ा भारी हो जाएगा क्योंकि टिकट बंटवारे में प्रदेश प्रधान की अहम भूमिका रहती है। 2002 और 2017 का चुनाव कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में लड़ा गया और कैप्टन ही मुख्यमंत्री बने। दोनों ही बार कैप्टन ने पार्टी की कमान संभालने के लिए लंबी जद्दोजहद की थी। 2015 में तो उन्होंने प्रताप सिंह बाजवा को प्रधान पद से हटाने के लिए लंबी डिप्लोमेसी की। पार्टी सूत्र बताते हैं कि चन्नी द्वारा 'अपर कास्ट' को लेकर दिया गया बयान अनायास नहीं था, क्योंकि बघेल द्वारा 2022 की गलती दोबारा नहीं दोहराने के बयान के बाद से ही चन्नी के समर्थन में जट और गैर जट नेताओं ने लाबिंग करनी शुरू कर दी है। चन्नी के समर्थन में 31 जट नेताओं ने तो हाईकमान को पत्र लिख कर समय भी मांग लिया है।

सिख रेजिमेंट की सात बटालियनों को मिला प्रतिष्ठित सैन्य सम्मान

2015 में भी किया जा चुका है छह बटालियनों को उत्कृष्ट सैन्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-भारतीय सेना की शान मानी जाने वाली सिख रेजिमेंट ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति उसकी पहचान ही नहीं, बल्कि उसकी जीवन शैली है। अग्रिम मोर्चों से लेकर संचालनात्मक चुनौतियों तक, सिख रेजिमेंट ने हर दौर में अपने अद्वितीय प्रदर्शन से भारतीय सेना की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का इतिहास रचा है। जनवरी 2026 में मिले प्रतिष्ठित सैन्य सम्मान इस गौरवशाली विरासत में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हैं। वेस्टर्न कमांड के प्रवक्ता के अनुसार, सिख रेजिमेंट की कुल सात बटालियनों को थल सेनाध्यक्ष और आर्मी कमांडर स्तर के प्रशस्ति एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। इनमें दो बटालियनों को थल सेनाध्यक्ष यूनिट प्रशस्ति पत्र, एक बटालियन को थल सेनाध्यक्ष यूनिट प्रशंसा पत्र और चार बटालियनों को आर्मी कमांडर यूनिट प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

हर काम देश के नाम

सिख रेजिमेंट की आत्मा पंजाब के युवाओं में बसती है, जो पीढ़ियों से चली आ रही योद्धा परंपरा को गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। कुछ मानव संसाधन संबंधी चुनौतियों के बावजूद रेजिमेंट ने अपने उच्च प्रदर्शन मानकों से कभी समझौता नहीं किया। यही कारण है कि सिख रेजिमेंट आज भी भारतीय सेना की सबसे भरोसेमंद पैदल सेना रेजिमेंटों में शुमार है। पंजाबी रगों में बहने वाला योद्धा भाव सेना की सेवा के माध्यम से अपने सर्वोच्च स्वरूप को प्राप्त करता है। सिख रेजिमेंट उसी शौर्य का जीवंत प्रतीक है, जहां हर कदम, हर संघर्ष और हर बलिदान का एक ही मंत्र है, 'हर काम देश के नाम'।

युवा आगे आएं, सेना में शामिल हों

सिख रेजिमेंट पंजाब के युवाओं से आह्वान करती है कि वे आगे आएं, सेना में शामिल हों और अपने परिवार व प्रदेश का नाम रोशन करें। इस रेजिमेंट में सेवा करना न केवल सम्मान की बात है, बल्कि एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी है। रेजिमेंट के अनेक सैनिकों ने जूनियर कमीशंड अधिकारी से लेकर कमीशंड अधिकारी तक के पदों पर पहुंचकर नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के उदाहरण स्थापित किए हैं। सेना उन्हें तकनीक, खेलकूद और आत्म विकास के व्यापक अवसर भी प्रदान करती है।

एक ही अवसर पर इतनी बड़ी संख्या में बटालियनों का सम्मानित होना न केवल असाधारण है, बल्कि रेजिमेंट की निरंतर उत्कृष्टता का भी प्रमाण है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब सिख रेजिमेंट ने यह गौरव हासिल किया हो। जनवरी 2015 में भी रेजिमेंट की छह बटालियनों को उनके अनुकरणीय सेवाभाव और उत्कृष्ट सैन्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया था। वर्षों के अंतराल पर दोहराई गई यह उपलब्धि दर्शाती है कि सिख रेजिमेंट की सफलता किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि मजबूत परंपरा और कठोर प्रशिक्षण की देन है। सिख रेजिमेंट की वीरता की जड़ें सिख इतिहास में गहराई से समाई हैं। छठे गुरु गुरु हरगोबिंद साहिब द्वारा स्थापित मीरी पीरी की परंपरा और दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह द्वारा दी गई खालसा की अमर संकल्पना ने साहस, अनुशासन और बलिदान को सिख योद्धाओं का धर्म बना दिया। यही मूल्य आज भी सिख सैनिकों को हर परिस्थिति में अडिग रखते हैं।

पंजाब कैडर के 14 आई.ए.एस. अधिकारी इस वर्ष होंगे सेवानिवृत्त

कई आई.ए.एस. अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति के लिए हैं लाइन में

40 से ज्यादा अधिकारियों की कमी से पहले ही जूझ रही सरकार

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब कैडर के 14 आई.ए.एस. अधिकारी इस वर्ष सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसमें कई बड़े प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हैं। 40 से ज्यादा अधिकारियों की कमी-से पहले ही जूझ रही सरकार के लिए यह मुश्किल स्थिति है। कारण यह है कि कई आई.ए.एस. अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति के लिए भी लाइन में भी हैं। इसी माह 1996 बैच के आई.ए.एस. ए.के. सिन्हा और 2005 बैच के दिलराज सिंह संधावालिया सेवानिवृत्त होंगे। दिलचस्प बात यह है कि सिन्हा को पिछले तीन महीनों से कोई पोस्टिंग नहीं मिली है। अगर उन्हें कोई पोस्टिंग नहीं दी जाती है तो वे 31 जनवरी को बिना किसी विभाग के सेवानिवृत्त हो जाएंगे। फरवरी महीने में 2009 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी अरविंद पाल सिंह संधू, जो अभी दिव्यांग लोगों के लिए स्टेट कमिश्नर का पद संभाल रहे हैं, भी सेवानिवृत्त हो जायेंगे। जालंधर, फिरोजपुर और फरीदकोट के कमिश्नर 2004 बैच के आई.ए.एस. अरुण सेखड़ी भी 28 फरवरी को सेवानिवृत्त होंगे। मार्च में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए 1990 बैच के अनुराग अग्रवाल भी सेवानिवृत्त होंगे। 1994 बैच के एडिशनल चीफ सैक्रेटरी डिफेंस सर्विसेज जे.एम. बालामुरुगन भी इसी दिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके साथ, 2012 बैच के भूपिंदर सिंह, जो अभी स्पैशल सैक्रेटरी पावर के पद पर हैं, भी सेवानिवृत्त होंगे। हाल ही में लोक संपर्क विभाग के डायरैक्टर पद से हटाए गए 2010 बैच के अधिकारी बिमल सेतिया अप्रैल में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। दिलचस्प बात है कि डायरेक्टर के पद से हटाने के बावजूद उन्हें अभी तक कोई नई पोस्टिंग नहीं दी गई है। 2005 बैच की गुरप्रीत सपरा जो इस समय सैक्रेटरी पर्सोनल हैं, जून में सेवानिवृत्त हो जाएंगी। उनके साथ ही 2008 बैच के आइएएस मोहिंदर पाल भी जून में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 1992 बैच के आई.ए.एस. और स्पोर्ट्स एंड यूथ अफेयर्स के स्पेशल चीफ सैक्रेटरी सरबजीत सिंह जुलाई में, 1997 बैच के वीके मीणा अगस्त में तथा 2004 बैच के मनवेश सिंह सिद्धू, सैक्रेटरी लेबर अक्टूबर में सेवानिवृत होंगे। 1991 बैच की सीमा जैन, जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, दिसंबर में सेवानिवृत होंगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब में 231 आई.ए.एस .(इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस) अफसरों का कैडर है, लेकिन इस समय में राज्य सरकार के पास 191 ही अधिकारी हैं। यानी 40 पोस्टें खाली हैं। कई आई.ए.एस. अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति के लिए लाइन में हैं, जिनमें से चार को पंजाब सरकार से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए एन.ओ.सी. मिल चुकी है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वालों में तेजवीर सिंह, दिलीप कुमार, और वरुण रुज्म शामिल हैं, को अभी पोस्टिंग का इंतजार है, जबकि सिबिन सी को स्वास्थ्य मंत्रालय और श्रुति सिंह इन्फार्मेशन एंड ब्राडकास्टिंग मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पदों पर चले गए हैं।

कर्मचारी गरीबों के पौने 2 करोड़ रुपये डकार गए !

बैतूल (सत्ता संदेश)-मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में सामने आए करीब डेढ़ करोड़ रुपये के छात्रवृत्ति घोटाले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रकाश बंजारे जेएच कॉलेज बैतूल में सहायक ग्रेड-2 के पद पर पदस्थ था। ये घोटाला 'गांव की बेटी योजना' के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्ति राशि में 1 करोड़ 44 लाख 65 हजार रुपये के गबन से जुड़ा है। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर दीपेश डहेरिया और सहायक ग्रेड-3 रिंकू पाटिल को गिरफ्तार कर चुकी है। मामला अगस्त-सितंबर 2024 में महालेखाकार ग्वालियर की ऑडिट जांच के दौरान सामने आया था। जांच के बाद 17 दिसंबर 2024 को तत्कालीन प्राचार्य विजेता चौबे ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज और बिल बनाकर छात्रवृत्ति की राशि 95 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की। खातों में करीब 3240 बार लेनदेन किया गया, जो आरोपियों के रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर थे। पुलिस ने आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 409, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

चाइना डोर बनी मौत का फंदा

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल समराला में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही समराला थाना प्रभारी हरविंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि छात्र की मौत पतंग की डोर से हुई है। पुलिस के अनुसार, यह डोर पहले से ही सड़क पर फंसी हुई थी और उस समय कोई पतंग नहीं उड़ाई जा रही थी।

हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों और रिश्तेदारों ने प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि यदि चाइना डोर के खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई की गई होती, तो उनके बेटे की जान बचाई जा सकती थी। फिलहाल, छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल समराला भेज दिया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का पहला साल दुनिया ...

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देश भी चीन से रिश्ते दोबारा साधने में जुटे हैं। एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक व्यापार अब अमरीका-केंद्रित नहीं रहा। एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में व्यापार तेजी से बढ़ा है। सप्लाई चेन लंबी हुई हैं और दुनिया ने खुद को अमरीकी फैसलों के मुताबिक ढाल लिया है। यूरोप में भी बड़ा बदलाव दिख रहा है। कई यूरोपीय देश अब अमरीका को भरोसेमंद सहयोगी नहीं मानते। यूक्रेन ज्यादा उम्मीद ब्रसेल्स से कर रहा है, न कि वॉशिंगटन से। वहीं रूस, अमरीका से ज्यादा यूरोपीय संघ को दुश्मन मानने लगा है।

भारत का चीन को निर्यात बढ़ा, अमरीका को घटा

भारत भी इस बदलती तस्वीर से अछूता नहीं है। ट्रम्प सरकार के तहत अमरीका के साथ व्यापारिक रिश्ते बिगड़े हैं। भारी टैरिफ के चलते भारत ने विकल्प तलाशने शुरू किए और चीन के साथ सीमित लेकिन व्यावहारिक सहयोग बढ़ाया। दिसम्बर में भारत का चीन को निर्यात करीब 70 फीसदी बढ़ा, जबकि अमरीका को निर्यात घटा। अमरीका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने से दोनों देशों के व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खटास आ गई है।

हिमाचल में बर्फबारी से कई इलाके कटे

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

और शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा न करने की अपील की है। कश्मीर घाटी में शुक्रवार को भारी बर्फबारी और बारिश के बाद शनिवार को मौसम में सुधार देखने को मिला। मौसम साफ होने के बाद श्रीनगर हवाईअड्डे पर उड़ानों का संचालन बहाल कर दिया गया है।

पंजाब सरकार ने दी ऑनलाइन डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटियां स्थापित करने की अनुमति

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब सरकार ने ऑनलाइन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए निजी क्षेत्र के लिए डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटियां स्थापित करने की अनुमति दे दी है। पंजाब हायर एजूकेशन डिपार्टमैंट द्वारा तैयार %पंजाब प्राइवेट डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटीज पॉलिसी' के लागू होने से अब विद्यार्थी घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर और प्रोफेशनल डिग्री कोर्स कर सकेंगे। गत 15 जनवरी को अधिसूचित इस नीति के तहत प्रशासनिक सचिव अनिंदिता मित्रा ने बताया कि निजी डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी का मूल उद्देश्य डिजिटल, ऑनलाइन, डिस्टेंस और ओपन मोड के जरिए उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है। तकनीक-सक्षम प्रणालियों और इंटरनेट आधारित मंचों के माध्यम से शिक्षक और विद्यार्थी के बीच की दूरी को समाप्त किया जाएगा। नीति के अनुसार, डिजिटल यूनिवर्सिटियां ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल मूल्यांकन, वर्चुअल लैब और अन्य आधुनिक तकनीकी साधनों के जरिए पढ़ाई कराएंगी। इन यूनिवर्सिटियों के पास भौतिक परिसर जरूर होगा, लेकिन उसका उपयोग केवल प्रशासनिक मुख्यालय के रूप में किया जाएगा। किसी भी तरह की नियमित कक्षाएं परिसर में नहीं होंगी। डिजिटल ओपन यूनिवर्सिटी खोलने के इच्छुक निजी संस्थानों के लिए कम से कम पांच साल का ऑनलाइन शिक्षा में विश्वसनीय अनुभव अनिवार्य किया गया है। साथ ही 20 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड बनाए रखना होगा। आवेदन के समय पांच लाख रुपये की प्रोसेसिंग फीस जमा करनी होगी और मंजूरी मिलने के बाद 20 लाख रुपये अतिरिक्त सरकार को देने होंगे। उल्लेखनीय है कि पंजाब और केरल देश के उन गिने-चुने राज्यों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने निजी भागीदारी के साथ डिजिटल शिक्षा को औपचारिक नीति का रूप दिया है।

पंजाब के छात्रों को आरक्षण

राज्य सरकार ने पंजाब के विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित रखते हुए डिजिटल यूनिवर्सिटियों में कम से कम 15 प्रतिशत सीटें पंजाब डोमिसाइल छात्रों के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया है। यदि कोई निजी खिलाड़ी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या अन्य निर्धारित मानकों का उल्लंघन करता है, तो उस पर 25 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा।

पंजाब की नगर निगमों द्वारा उड़ाई जा रही कोर्ट के आदेशों की धज्जियां!

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

तरह श्री कृष्णा कुमारी डीआईओ, बाल कृष्ण बिल्डिंग इंस्पेक्टर टेक्निकल को असिस्टेंट टाउन प्लानर का एडिशनल चार्ज दिया गया है, जबकि श्री पवन कुमार सुपुत्र श्री हरमेश लाल जूनियर इंजीनियर सिविल और श्री नीरज शर्मा बिल्डिंग इंस्पेक्टर टेक्निकल म्युनिसिपल कॉरपोरेशन जालंधर भी इसी तरह के उलंघन में शामिल बताए जा रहे हैं। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन अमृतसर में श्री विक्रम कुमार ओएंडएम मैकेनिकल और कई बिल्डिंग इंस्पेक्टर को भी सीडीसी का एडिशनल चार्ज दिए जाने का कथित आरोप है। इन सभी मामलों में एक गंभीर सवाल यह उठ रहा है कि जब पंजाब सरकार के द्वारा जारी पत्र में साफ-साफ लिखा है कि सीडीसी चार्ज गैर-कानूनी हैं, तो फिर ये चार्ज किसके ऑर्डर पर दिए गए। शिकायत में कहा गया है कि सीडीसी चार्ज के नाम पर टाउन प्लानिंग और बिल्डिंग डिपार्टमेंट पूरे पंजाब में करप्शन का सेंटर बन गया है। बिना अप्रूव्ड प्लान के रेजिडेंशियल एरिया में कमर्शियल बिल्डिंग बनाई जा रही हैं, जहां न तो लैंड यूज बदलने की परमिशन दी जा रही है और न ही पार्किंग, फायर सेफ्टी और दूसरी जरूरी सुविधाओं का पालन किया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के माननीय चीफ जस्टिस को एक विस्तृत शिकायत भेजी गई है, जिसमें म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, कमेटियों और काउंसिलों द्वारा दिखाई जा रही नाफरमानी को सुप्रीम कोर्ट और पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के ऑर्डर की खुली अवहेलना बताया गया है। शिकायत में मांग की गई है कि सभी गैर-कानूनी सीडीसी एडिशनल चार्ज तुरंत कैंसिल किए जाएं, बिना मान्यता वाली डीम्ड यूनिवर्सिटी की डिग्री और डिप्लोमा के आधार पर किए गए प्रमोशन वापस लिए जाएं और इस पूरे करप्ट सिस्टम में शामिल अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस मामले पर विभागीय कार्रवाई बारे जानकारी लेने के लिए 'सत्ता संदेश' संवाददाता द्वारा लुधियाना नगर निगम कमिश्नर सुश्री नीरू कत्याल गुप्ता से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे फोन पर संपर्क नहीं हो पाया।

गणतंत्र दिवस- इस तरह बना भारत गणराज्य

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

स्वराज दिवस की स्मृति से जुड़ी है और 1950 में संवैधानिक स्वशासन की स्थापना तक की यात्रा को दर्शाती है। यह दिन स्वतंत्रता आंदोलन की राजनीतिक आकांक्षाओं को एक स्थायी संवैधानिक व्यवस्था में बदलने का प्रतीक है।

स्वतंत्रता से गणराज्य तक की यात्रा

26 जनवरी 1930 को देशभर में पूर्ण स्वराज दिवस मनाया गया, जिसने ब्रिटिश शासन के अधीन उपनिवेशिक दर्जे को अस्वीकार करते हुए पूर्ण स्वतंत्रता को राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में स्थापित किया।

9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई, जिसने लगभग तीन वर्षों तक व्यापक विचार-विमर्श के बाद संविधान का निर्माण किया।

15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ और 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया गया।

अंततः, 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना।

भारत का संविधान और गणतंत्र दिवस आज

भारत का संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों पर आधारित है। इसमें मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत और मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान किया गया है, जो लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला हैं।

आज गणतंत्र दिवस पूरे देश में ध्वजारोहण, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाता है। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड इसका सबसे भव्य रूप है। समारोह का समापन 29 जनवरी को 'बीटिंग द रिट्रीट' के साथ होता है, जो गणतंत्र दिवस आयोजनों की औपचारिक समाप्ति का प्रतीक है।

पंजाब राज्य पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ने बिजली क्षेत्र में जोड़ा नया अध्याय

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पंजाब राज्य पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (पी.एस.टी.सी.एल.) ने बिजली क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ते हुए राज्य की पहली और नॉर्थ इंडिया की दूसरी एडवांस इलेक्ट्रिकल ऑयल टेस्टिंग लैब की स्थापना कर दी है। यह उपलब्धि न केवल तकनीकी दृष्टि से ऐतिहासिक है, बल्कि इससे पंजाब के बिजली ढांचे को और अधिक मजबूत, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने में भी अहम भूमिका निभेगी। यह लैब फिरोजपुर रोड स्थित अपर नगर डिवीजन के 220 के. वी. सब स्टेशन परिसर में पी.एस.टी.सी.एल. कार्यालय में स्थापित की गई है। अब तक ट्रांसफार्मरों और अन्य विद्युत उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले ऑयल की जांच के लिए पंजाब को बाहरी राज्यों या निजी लैब्स पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे जहां समय की काफी बर्बादी होती थी, वहीं हर साल लाखों रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ते थे। नई लैब के शुरू होने से यह निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी और अब राज्य के भीतर ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर की टैस्टिंग-सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस उपलब्धि के पीछे पी.एस.टी.सी.एल अधिकारियों और इंजीनियरों की करीब 13 साल की कड़ी मेहनत छिपी है। लंबे प्रयासों के बाद नैशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज ने 7 जुलाई 2025 को इस लैब को मान्यता प्रदान की। इसके साथ ही यह लैब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार परीक्षण करने में सक्षम हो गई है। लैब को पूरी तरह नियंत्रित वातावरण में तैयार किया गया है। यहां साल भर तापमान 25 डिग्री सैल्सियस और ह्यूमिडिटी लेवल 50 प्रतिशत बनाए रखा जाता है, ताकि टैस्टिंग के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो। इंजीनियर जसप्रीत सिंह गरचा ने बताया कि यह लैब डायरैक्टर टैक्नीकल इंजीनियर संजीव और चीफ इंजीनियर पी. एम. एम. सूद एस.पी. सिंह के दिशा-निर्देशों में संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि यहां ब्रेकडाऊन वोल्टेज टैस्ट मशीन लगाई गई है, जो यू. के. से मंगवाई गई है। इसके अलावा वॉटर कर्टेंट टैस्ट मशीन ऑस्ट्रिया और स्विटजरलैंड से लाई गई है। अधिकारियों के अनुसार पी.एस.टी.सी.एल. के पास 100 से अधिक सबस्टेशन हैं, जिनमें 400 के.वी, 220 के.वी. और 132 के. वी. के ट्रांसफॉर्मर लगे हुए हैं। इस लैब के शुरू होने से इन सभी ट्रांसफॉर्मरों की नियमति और सटीक जांच संभव हो पाएगी, जिससे बिजली ह आपूर्ति में आने वाली तकनीकी समस्याओं को पहले ही रोका जा सकेगा।

*** पंजाब की पहली और नॉर्थ इंडिया की दूसरी एडवांस इलैक्ट्रिकल ऑयल टेस्टिंग लैब शुरू**
*** अब राज्य में ही होगी ट्रांसफार्मरों व अन्य विद्युत उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले ऑयल की जांच**

टैन डैल्टा टैस्ट से बढ़ेगी सुरक्षा

लैब में मौजूद टैन डेल्टा टैस्टिंग मशीन भी ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड की अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है। टैन डेल्टा परीक्षण एक महत्वपूर्ण विद्युत जांच विधि है, जिससे केबल, ट्रांसफॉर्मर और इंसुलेशन की गुणवत्ता का पता लगाया जाता है। यह टैस्ट ऊर्जा हानि को मापकर इंसुलेशन की स्थिति बताता है। इससे समय रहते खराबी का पता चल जाता है और बड़े हादसों को रोका जा सकता है।

ट्रांसफॉर्मर में आग के खतरे पर लगेगी लगाम

फ़्लैश प्वाइंट टैस्ट मशीन खासतौर पर जापान से मंगवाई गई है। यह मशीन यह बताती है कि ट्रांसफॉर्मर ऑयल किस न्यूनतम तापमान पर आग पकड़ सकता है। यदि तेल का फ्लैश प्वाइंट 135 डिग्री सैल्सियस तक है, तो उसे सुरक्षित माना जाता है। यह टैस्ट ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की आशंका को काफी हद तक कम करता है और औद्योगिक सुरक्षा को बढ़ाता है।

अमरीका से आई फ्यूरान और टोगा टैस्ट मशीन

लैब में यूरान टैस्ट मशीन भी लगाई गई है, जो अमरीका से मंगवाई गई है। यह मशीन ट्रांसफॉर्मर ऑयल में मौजूद फ्यूरान कंपाऊंड को मापती है। फ्यूरान कंपाऊंड ट्रांसफॉर्मर की पेपर इंसुलेशन की स्थिति को दर्शाता है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि इंसुलेशन कितना पुराना या खराब हो चुका है और ट्रांसफॉर्मर की शेष उम्र कितनी बची है। इसके साथ ही टोगा टैस्ट मशीन (टोटल ऑयल गैस एनालिसिस) भी अमरीका से लाई गई है।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हलवारा को एक मार्च से शुरू करने की तैयारी

54 सुरक्षा बलों की तैनाती, कर्मचारी ले रहे प्रशिक्षण
एयरपोर्ट की सुरक्षा में पंजाब पुलिस के 150 सुरक्षा कर्मी तैनात

लुधियाना (सत्ता संदेश)-अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हलवारा को एक मार्च से शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। बुधवार को सैक्रेटरी सिविल एविएशन ने अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें जल्द से जल्द तैयारियां पूरी करने को कहा गया। एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की टीम पहुंच चुकी है और फ्लाइट ऑपरेशन का प्रस्ताव नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डी.जी.सी.ए. को भेजा जा चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि मंजूरी मिलने के बाद एक मार्च से एयरपोर्ट शुरू हो सकता है। जानकारी के मुताबिक बैठक में सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द पुलिस कर्मी तैनात करने, ट्रैक की अच्छी तरह से सेफ्टी की जांच करने समेत अन्य तैयारियों को एक मार्च से पहले पूरी करने के लिए कहा गया है। बैठक में लुधियाना एयरपोर्ट के डायरैक्टर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है शहर में एयरपोर्ट की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिससे शहर में औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक विकास को नई गति मिल सके। मांग को देखते हुए 2007 में तत्कालीन सरकार ने लुधियाना में एयरपोर्ट बनाने की योजना पर कार्रवाई शुरू की, लेकिन कुछ कारणों के चलते योजनाओं में काम नहीं हो सका। 2019 में 60 करोड़ की लागत से एयरपोर्ट का काम दोबारा शुरू हुआ, जिसमें एयरपोर्ट का टर्मिनल, सब स्टेशन, जन सुविधाएं, पार्किंग, एप्रन, अंदरूनी सड़के, लाइटिंग सिस्टम, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, गार्डन आदि बनाया गया। 54 सदस्यीय सुरक्षा दल और अन्य विभागों को तैनात किया गया है, जिनका मौजूदा समय में प्रशिक्षण चल रहा है। एयरपोर्ट की सुरक्षा पंजाब पुलिस 150 सुरक्षा कर्मी तैनात होंगे। सैक्रेटरी सिविल एविएशन अधिकारियों ने डीसी हिमांशू जैन समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें निर्देश दिए जल्द से जल्द तैयारी पूरी की जाए। स्थानीय डी.सी. हिमांशू जैन ने बताया कि एयरपोर्ट में काम खत्म हो चुका है। सिक्योरिटी कर्मियों का प्रशिक्षण चल रहा है। एयर इंडिया आ चुकी है और फ्लाइट ऑपरेशन का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उम्मीद है कि फ्लाइट आपरेशन मंजूरी मिलने के बाद एक मार्च से फ्लाइट का संचालन शुरू हो जाएगा।

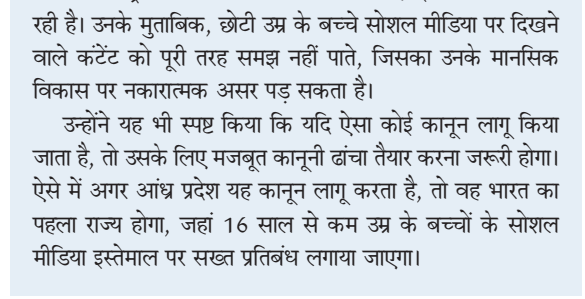

पंजाब सरकार ने 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा देकर इतिहास रचा-कुलवंत सिंह सिद्धू

कहा, पंजाब का हर परिवार इस सुविधा का लाभ उठा सकेगा

लुधियाना (सत्ता संदेश) - पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने देश की आजादी के बाद सबसे बड़ा ऐतिहासिक फैसला लेते हुए एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसके तहत पंजाबियों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजाब और चंडीगढ़ के सरकारी और लिस्टेड प्राइवेट अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मुहैया कराया गया है।

ये उद्गार आत्म नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने मीडिया से बात करते हुए प्रकट किए। उन्होंने कहा कि पंजाब देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज देने वाला हर परिवार इस सुविधा का लाभ उठाएगा।

उन्होंने कहा कि पंजाब को अब तरक्की करने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि पंजाबियों को मुख्यमंत्री के रूप में अपना आम आदमी मिल गया है जो उनके दुख, तकलीफ और मुश्किलों को समझता है। विधायक सिद्धू ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान बचपन से ही आम लोगों के बीच सोचते रहे हैं और आम लोगों की समस्याओं और ज़रूरतों को अच्छी तरह जानते हैं।

आज नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब के लोगों को सेहत सुविधाओं का तोहफ़ा देते हुए 10 लाख रुपये तक की कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लॉन्च की, जिसे विधायक सिद्धू ने अपने हेड ऑफिस में अपने हलके

के वर्करों के साथ स्क्रीन पर देखा। यह हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम पंजाब के हर परिवार के हर सदस्य के लिए होगी, इसमें हर वर्ग को कवर किया गया है।

विधायक सिद्धू ने कहा कि पंजाबियों का एक आँख से ख्याल रखने वाले मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पंजाब के सच्चे सपूत हैं, जिन्होंने अमीर-गरीब, हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग को सेहत सुविधाओं के रूप में 10 लाख रुपये की इंश्योरेंस स्कीम की बड़ी मदद दी है। उन्होंने कहा कि अब आम लोगों को अपने घर के खर्च से अपनी दवाओं पर पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा और कोई भी ज़रूरतमंद परिवार पैसे के बोझ के कारण किसी भी तरह की सेहत सुविधा से वंचित नहीं रहेगा।

विधायक सिद्धू ने कहा कि पंजाब सरकार यह भी पक्का करेगी कि लोगों को अपने इलाज के लिए दूर के अस्पतालों में न जाना पड़े और हर शहर के पास के अस्पतालों को पंजाब सरकार इस स्कीम में कवर करेगी।

भारत में भी सोशल मीडिया को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी!

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर होगा सख्त प्रतिबंध लागू

नेशनल डेस्क (सत्ता संदेश)- दुनिया भर में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर चिंता तेजी से बढ़ रही है। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक फैसले के बाद अब भारत में भी सोशल मीडिया को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी दिखाई दे रही है। संकेत मिले हैं कि आंध्र प्रदेश सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर सख्त नियम लागू करने की दिशा में काम कर रही है। यह जानकारी आंध्र प्रदेश के आईटी और मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान दी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा पहला देश बन चुका है, जहां 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस कानून के तहत टिकटॉक, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर) और स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर नाबालिग अकाउंट बनाना या इस्तेमाल करना प्रतिबंधित है। यह नियम 10 दिसंबर 2025 से लागू हो चुका है। कानून का उल्लंघन करने पर सोशल मीडिया कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है और नियम तोडने वाले अकाउंट्स को बंद किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर इस कदम को बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग और मानसिक दबाव से बचाने की दिशा में बड़ा फैसला माना जा रहा है।

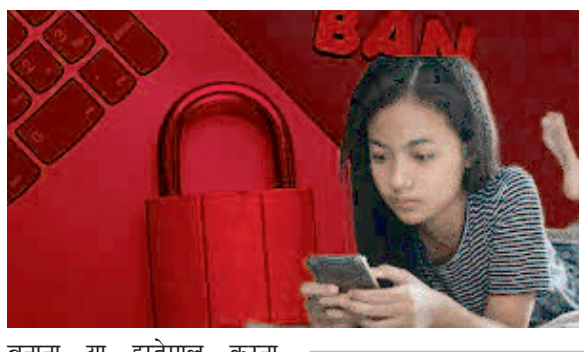

आंध्र प्रदेश क्या करने की तैयारी में है?

ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में नारा लोकेश ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ऑस्ट्रेलिया के अंडर-16 मॉडल का गहराई से अध्ययन कर रही है। उनके मुताबिक, छोटी उम्र के बच्चे सोशल मीडिया पर दिखने वाले कंटेंट को पूरी तरह समझ नहीं पाते, जिसका उनके मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि ऐसा कोई कानून लागू किया जाता है, तो उसके लिए मजबूत कानूनी ढांचा तैयार करना जरूरी होगा। ऐसे में अगर आंध्र प्रदेश यह कानून लागू करता है, तो वह भारत का पहला राज्य होगा, जहां 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाएगा।

तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक रेड्डी ने किया समर्थन

तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक रेड्डी ने भी इस पहल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का कई बार गलत इस्तेमाल, खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ, देखने को मिला है। बच्चों की भावनात्मक परिपक्वता को देखते हुए वैश्विक स्तर की नीतियों को अपनाना जरूरी है। फिलहाल भारत में न तो केंद्र सरकार और न ही किसी राज्य सरकार ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर कोई स्पष्ट प्रतिबंधात्मक कानून बनाया है। ज्यादातर मामलों में यह जिम्मेदारी माता-पिता पर ही छोड़ी गई है। ऐसे में आंध्र प्रदेश का प्रस्ताव अन्य राज्यों के लिए नीतिगत उदाहरण बन सकता है।

गरिमामय वातावरण में किया गया हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

लुधियाना (सत्ता संदेश) गुरु नानक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, मॉडल टाऊन में हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गुरुमंत कौर गिल के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता एवं रचनात्मकता का विकास करना था। विशेष अतिथि के रूप में अमित कुमार झा (यूनियन बैंक ऑफ इंडिया हिंदी शाखा के प्रमुख) ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या महोदया ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पंजाब,(गर्ल्स) बटालियन एनसीसी, लुधियाना एवं सहयोगी संस्थानों ने मनाया विश्व मतदाता दिवस

लुधियाना (सत्ता संदेश) - 3 पंजाब (जी) बटालियन एनसीसी, लुधियाना ने छह प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से विश्व मतदाता दिवस उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया। इसमें केसीडब्ल्यू, जीसीजी, जीएनकेसीडब्ल्यू, सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल सराभा नगर, सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (बीआरएस नगर) तथा खालसा

गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल आदि संस्थान शामिल थे। सभी संस्थानों के कैडेट्स ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं मतदाता जागरूकता संगोष्ठी में भाग लिया, जिनके माध्यम से मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का रचनात्मक प्रदर्शन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं को उनके मताधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आर.एस. चौहान एवं पीआई स्टाफ उपस्थित रहे, जिन्होंने कैडेट्स को प्रोत्साहित किया और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। अधिकारियों ने कैडेट्स की मेहनत की प्रशंसा करते हुए उन्हें समाज में मतदान जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

बिहार के रोहतास जिले का महादेवा गांव दूसरे राज्यों के लिए बना मिसाल

किसानों ने बंजर जमीन को कृषि योग्य बना कर की लाखों की कमाई

पटना (सत्ता संदेश)-बिहार में रोहतास जिले के महादेवा गांव के करीब 100 से अधिक किसानों ने राज्य सरकार से सहयोग मिलने के बाद अपनी कड़ी मेहनत से वर्षों से बंजर की तरह वीरान पड़ी पहाड़ी और जंगली जमीन को कृषि योग्य बना दिया है। जमुहार पंचायत का महादेवा गांव आज बिहार और दूसरे राज्यों के लिए एक मिसाल बन गया है। यहां के किसान न सिर्फ अत्याधुनिक खेती कर लाखों की कमाई कर रहे हैं बल्कि वह तेजी के साथ आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं। यह सब आज से सात साल पहले राज्य सरकार की शुरू महात्वाकांक्षी जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत किसानों को प्राप्त सरकारी सहयोग से संभव हो पाया है। यहां के किसानों को जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत ड्रिप (टपक) और स्प्रींकलर इरिगेशन (फुहार सिंचाई) से अत्याधुनिक खेती के लिए प्रेरित किया गया।

आर्थिक बदहाली और बेरोजगारी की दंश झेल रहे करीब 100 किसानों ने जंगल में दशकों से बंजर की तरह खाली पड़ी जमीन पर टपक विधि से सिंचाई कर तरबूज और खरबूजा की खेती शुरू की। आज यह खेती महदेवा के साथ आसपास के क्षेत्रों में एक आंदोलन का रूप धारण कर चुका है।

तरबूज व खरबूजा की खेती से प्रति एकड़ एक से डेढ़ लाख का मुनाफा- किसानों का मानना है कि वह तरबूज और खरबूजा की खेती से प्रति एकड़ एक से डेढ़ लाख तक का मुनाफा आसानी से कमा ले रहे हैं। सरकार की ओर से बोरवेल सबमर्सिबल पंप का तोहफा मिलने के बाद गांव के 15 किसानों ने हाल ही में कलस्टर के रूप में स्ट्राबेरी की खेती शुरू की है। करीब 25 एकड़ भूमि में की जाने वाली इस खेती से किसान आज लाखों की कमाई कर रहे हैं। साथ ही यहां के किसान अब धान, गेहूं आदि फसलों का उत्पादन भी जैविक खाद के इस्तेमाल से ही कर रहे हैं। करीब 25 एकड़ भूमि में अत्याधुनिक तरीके से की जाने वाली सब्जी की खेती भी दूसरे गांव और जिलों के लिए एक प्रेरक कहानी बन चुकी है। महादेवा गांव के किसान आलोक कुमार ने बताया कि जल-जीवन-हरियाली के तहत ड्रिप इरिगेशन पद्धति अत्याधुनिक खेती में वरदान साबित हुई है। उन्होंने कहा कि वह करीब सात एकड़ भूमि में छह वर्षों से तरबूज और खरबूजे की खेती कर रहे हैं।

स्ट्राबेरी की खेती से पक्के घर का सपना पूरा हुआ- इस खेती से पारंपरिक फसलों की तुलना में चार गुना अधिक मुनाफा मिल रहा है। खेती की आमदनी से वह बेटे को कोटा में मैडीकल की तैयारी और बेटी की दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई करा रहे हैं। एक किसान ने बताया कि वह ड्रिप इरिगेशन की सुविधा मिलने के बाद दो एकड़ भूमि में स्ट्राबेरी की खेती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पिछले तीन साल से शुरू अत्याधुनिक खेती से तैयार फसल को बेचने के बाद काफी अच्छी आमदनी हुई है। स्ट्राबेरी की खेती से ही कच्चे की जगह अब पक्का घर होने का सपना पूरा हो पाया है। उन्होंने कहा कि यह खेती दूसरे किसानों के लिए भी प्रेरक बन चुकी है।

पंजाब में रासायनिक खाद, खासकर यूरिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल चिंता का विषय

देश के 100 सबसे ज्यादा यूरिया इस्तेमाल करने वाले जिलों में पंजाब के 14 जिले शामिल

पंजाब डेस्क (सत्ता संदेश)- पंजाब के लोगों के लिए चिंताजनक खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें पंजाब में खेतों में रासायनिक खाद, खासकर यूरिया के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष संगरूर जिले में करीब 2.82 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उपयोग हुआ, जिससे यह देश में सबसे अधिक यूरिया इस्तेमाल करने वाला जिला बन गया। केंद्रीय केमिकल और फर्टिलाइजर मंत्रालय की 9 जनवरी को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 100 सबसे ज्यादा यूरिया इस्तेमाल करने वाले जिलों में पंजाब के 14 जिले शामिल हैं। इनमें लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, मुक्तसर, अमृतसर, फिरोजपुर, जालंधर, गुरदासपुर, बरनाला, फाजिल्का, तरनतारन, मोगा और मानसा का नाम भी सूची में है। डीएपी खाद के इस्तेमाल में भी पंजाब और हरियाणा के कई जिले देश के टॉप 100 में शामिल बताए गए हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खाद के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता, भूजल और लोगों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। केंद्रीय फर्टिलाइजर विभाग के संयुक्त ने संबंधित जिला प्रशासन को पत्र लिखकर खाद के अनावश्यक इस्तेमाल पर रोक लगाने की जरूरत बताई है। रिपोर्ट के अनुसार देश के सैकड़ों जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई है। पंजाब कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई किसान आसपास के किसानों को देखकर अधिक खाद डाल देते हैं, जबकि इसकी वास्तविक जरूरत नहीं होती। इसे रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादा खाद डालने से पैदावार बढने की धारणा गलत है और संतुलित उपयोग ही खेती और पर्यावरण के लिए बेहतर है।

www.sattasandesh.com | sattasandesh25@gmail.com

नजरिया सत्ता संदेश

सम्पादकीय

भारत को विश्व गुरु बनाना है

देश की आजादी के बाद के कुछ दशकों तक राजनीतिक दलों के नेताओं को देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास हुआ करता था। सत्ताधारी पार्टी के नेता हों या किसी भी विपक्षी दल के नेता, सदन और सदन के बाहर चाहे एक दूसरे की नीतियों की जम कर आलोचना करते हों, बात राष्ट्रीय महत्व के किसी मुद्दे की होती तो वो एकमत और एकजुट होने में विलम्ब नहीं करते थे। सदनों में जम कर एक दूसरे की आलोचना का कोई मौका चाहे चूकने ना देते हों, सदन के बाहर आपसी सद्भाव का परिचय देते थे। यही नहीं, सदन के भीतर या बाहर एक दूसरे के प्रति खुलकर नुक्ताचीनी करने के बावजूद भाषा की मर्यादा को बरकरार रखते थे।

समय के साथ समीकरण बदलते हैं। आज सियासत के समीकरण, सियासत के रंग ढंग, सियासी नेताओं के किरदार, उनकी एक दूसरे के प्रति भावना सदाचार की सीमाओं से परे चली गई है।

आज के सियासी नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने का रत्ती भर भी अवसर जाने नहीं देते। राष्ट्रीय भावना, एक दूसरे के सम्मान और सदाचार की किसी को कोई चिंता नहीं। जुबान पर किसी का कोई कंट्रोल नहीं। देश की प्रगति, समाज के उत्थान का किसी को फिक्र नहीं।

ऐसी कितनी मिसालें ऐसी गिनाई जा सकती हैं जो शर्मशार करती हैं कि हमारे सियासी नेता, जिन्होंने देश के युवाओं का, समाज का मार्गदर्शन करना है, वो ही मार्ग से भटके दिखाई देते हैं, आखिर क्यों? आखिर कब तक??

भारत को विश्व गुरु बनना है। मात्र हर क्षेत्र में तरक्की और विकास की दिशा में आगे बढ़ने से ही देश विश्व गुरु नहीं बनेगा। इसके लिए राजनीतिक लोगों का किरदार, उनके संस्कार और समाज के प्रति व्यवहार तथा आपसी सद्भाव और सम्मान की भावना भी आवश्यक है। देश को आगे बढ़ाने के लिए, समाज के उत्थान के लिए बेवजह और बेहूदा नुक्ताचीनी नहीं, समग्र प्रयास आवश्यक हैं। हमारे सियासी नेताओं को यह बात समझ लेनी चाहिए और देश हित की भावना को प्राथमिकता देते हुए अपने व्यवहार और क्रियाकलापों को उच्चस्तरीय आयाम देना चाहिए, तभी हमारा भारत विश्व गुरु बनेगा।

जितेंद्र कुमार, सम्पादक

मोबाइल कैमरे का दुरुपयोग

मोबाइल ने दुनिया को हमारी मुट्ठी में ला दिया है, लेकिन इसके साथ जुड़ा कैमरा और इंटरनेट कई बार गंभीर समस्याओं का कारण बन रहा है। आज मोबाइल कैमरे का दुरुपयोग समाज के लिए चिंता का विषय बन गया है। डाटा चोरी, पेपर लीक और गोपनीय सूचनाओं का लीक होना इसके उदाहरण हैं। सेना की गुप्त जानकारियां या महत्वपूर्ण बैठकों की रिकॉर्डिंग राष्ट्र की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

ज्ञान-विज्ञान

मोबाइल कैमरा घर-घर तक पहुंच चुका है, जिससे निजता पर संकट खड़ा हो गया है। सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की बिना अनुमति वीडियो बनाना आम हो गया है। नदियों, पहाड़ों और रेलवे ट्रैक जैसी खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेने का शौक कई बार जानलेवा साबित होता है। अपराध की स्थिति में मदद करने के बजाय लोग वीडियो बनाने में व्यस्त रहते हैं, जो संवेदनहीनता को दर्शाता है। आज व्यक्ति अपने ही घर में भी पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं करता, क्योंकि निजी पलों की रिकॉर्डिंग का डर बना रहता है। मोबाइल कैमरे ने प्राइवेसी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और छोटी-सी चूक भी किसी को बदनामी का शिकार बना सकती है। स्मार्टफोन सुविधा का साधन है, जिसमें कॉल, मैसेज, ई-मेल और सोशल मीडिया जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य समाज की भलाई था, लेकिन मानव प्रवृत्ति कई बार गलत दिशा में आकर्षित हो जाती है। आवश्यक है कि मोबाइल और उसके कैमरे का उपयोग सोच-समझकर किया जाए। विशेष रूप से महिलाओं को अपनी निजता के प्रति सतर्क रहना चाहिए और किसी अनजान व्यक्ति को बिना कारण फोटो या वीडियो बनाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। तकनीक से बचना संभव नहीं है, लेकिन उसका विवेकपूर्ण उपयोग ही समाज को सुरक्षित रख सकता है।

सत्ता संदेश

R.N.I. No. PBHIN/25/A4135

पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूज़पेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015। से प्रकाशित किया।

Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title 'SATTA SANDESH' (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVI HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.

M. +91 92162 42177
Email : sattasandesh25@gmail.com

जंग की फिल्मों पर छिड़ी बहस क्या यह है एंटी वॉर फिल्में?

दीपक शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
डीएवी यूनिवर्सिटी, जालंधर

भारत-पाक युद्ध, यह शब्द हमेशा से ही चर्चा का विषय बना रहता है,चाहे वो क्रिकेट के मैदान में गेंद और बल्ले का युद्ध हो या फिर जंग के मैदान में बंदूकों और तोपों का युद्ध, दोनों ओर ये युद्ध के विषय जिज्ञासा का विषय बने रहते है। फ़िलहाल हम युद्ध की ओर न ही जाये तो बेहतर होगा। युद्ध की बात छिड़ी है तो देविद ओवादिया की एक पंक्ति दिमाग में आती है कि युद्ध क्या है ! 'इतिहास है जो रक्त से लिखा जाता है!'

भारतीय फिल्म जगत में कई फिल्में हैं जो भारत -पाक युद्ध पर बनी है, और दर्शकों को लुभाती है। जनवरी में ही दो फिल्में ऐसी आई जो भारत-पाक की 1971 की जंग पर पर आधारित है , 'इक्कीस और बॉर्डर 2'

बात करें बॉर्डर 2 की तो ये 1997 में रिलीज़ हुई फिल्म बॉर्डर की दूसरी कड़ी है, जिसमे सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ सहित अन्य कलाकार मुख्य भूमिकाओं में है। गौरतलब है की अक्षय खन्ना जिन्होंने पहली 'बॉर्डर' में सेकंड लेफ्टिनेंट धर्मवीर सिंह का किरदार निभाया था, अब 'धुरंधर' में रेहमान डकैत के किरदार में लोगो के दिलों में अपनी जगह बनाई है। 1971 की ही जंग पर बनी फिल्म 'इक्कीस' के निर्देशक श्री राम राघवन ने पत्तरकार भरद्वाज रंगन के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि जंग पर बनी एक अच्छी फिल्म एक ऐंटी वॉर फिल्म होती है।

अब इस बात का सन्दर्भ हम पहली 'बॉर्डर' के एक दृश्य से ले सकते है की जब भैरों सिंह (सुनील शेट्टी) धर्मवीर सिंह से पूछते है की,'तुमने फ़ौज क्यों ज्वाइन की?', इस बात पर धर्मवीर सिंह (अक्षय खन्ना) जवाब देते हुए कहते है की ,'पिताजी ने अपने प्यार का वास्ता देकर मुझसे वचन लिया था की मैं फौजी बनूंगा , वतन की मोहब्बत में अपने बेटे को कुर्बान कर गए और थमा दी मेरे हाथ में बन्दूक कि सामने वाले फौजी को उड़ा दो, वो फौजी , जो मेरी ही तरह किसी माँ का बच्चा है, जिसे मैं जानता भी नहीं उसे मैं क्यों मारु?'

तो भैरों सिंह कहते है,'अगर तुम उसे नहीं मरोगे तो वो तुम्हे मार देगा', इन सब के बावजूद अक्षय खन्ना का किरदार लड़ाई लड़ता है और शहीद होता है।

लौंगेवाला पोस्ट पर हुई लड़ाई पर बनी फिल्म में कुछ ऐसे डायलॉग भी थे जिन पर दर्शकों की खूब तालियां बजती थी और जब फिल्म में 'मेरे दुश्मन, मेरे साथी, मेरे हमसाये' बजा तो दर्शकों की आँखें भी नाम हुई, जिसमे गीतकार ने लिखा कि हम अपने खेतों में चावल और गेंहू क्यों बोते है, जब दोनों ही गलियों में बचे भूखे रोते है।

'बॉर्डर' फिल्म के दो साल बाद कारगिल का युद्ध भी हुआ जिसपर फिर से जे पी दत्ता की फिल्म 'एलओसी कारगिल' आई, जो ज़्यादा अवधि के चलते ज़्यादा जानता तक पहुँच न पाई, इसी लड़ाई के एक कैप्टन या यूं कहे कि परमवीर चक्र हासिल करने वाले शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित 'शेरशाह' दर्शकों के दिलों तक पहुँच पाई।

जंग की फ़िल्में यहीं तक नहीं रुकी, इसी कड़ी में हम बात करते है फिल्म 'राज़ी' की जो हरिंदर सिक्का के उपन्यास पर बनी थी, सहमत (आलिआ भट्ट) पाक में एक अंडरकवर एजेंट बन कर जाती है और वहां बस कर शादी कर वहां की जानकारी भारत तक पहुंचाती है, सहमत जब कहती है,'मुल्क के आगे कुछ भी नहीं, खुदा भी नहीं', यह संवाद ज़रूर जनता के रौंगटे खड़े कर देने वाला होगा, पर बात यही तक नहीं रूकती। असल में वॉर फिल्मों का उद्देश्य एंटी वार इसलिए होता है कि जो दर्शक फिल्म देखने जा रहा होगा, उसके दिल में फिल्म को देखने के बाद ज़रूर आया होगा कि इतना कुछ हमने (हमारे देश) ने झेला, अब हम इस ओर नहीं जायेंगे, जहाँ दर्शक जज़्बे वाले डायलॉग पर उठ जाता है, लडने को तैयार हो जाता है, वहीं जब दूर रेगिस्तान में बैठे फौजी को चिट्ठी मिलती है, गाना बजता है,'संदेशे आते है', तो वो दर्शक भावुक हो जाता है।

अब फिल्मों की बात करे तो जहाँ 'बॉर्डर 2' दर्शकों में 1971 कि लड़ाई का कुछ अनकहा हिस्सा दिखा रही है जिसे लोग पसंद कर रहे है, वही 'इक्कीस' जिसमे धर्मेंद्र जी अंतिम बार किसी किरदार में देखे, वो एक परिपेक्ष्य से बनाई गई फिल्म है। नफ़ा-नुक्सान के परे की बात करे तो दर्शकों से उम्मीद लगाई जा सकती है कि वो इन एंटी वॉर फिल्मों से कुछ सीखे और जंग के पार की बात सोचे, आखिर...

'सितारों के आगे जहाँ और भी है ,
अभी इश्क़ के इम्तिहान और भी है...

जंग को छोड़े और अमन की और अपने क़दम बढ़ाये ...इसी आशा के साथ अलविदा।

आध्यात्मिक अभ्यास बुढ़ापे का सहारा नहीं, जीवन जीने की कला है

वर्तमान में भाग दौड़ की जिंदगी में हम अक्सर दलील देते रहते हैं कि ईश्वर-आराधना का समय अभी नहीं आया है। अभी बहुत काम पड़ा है; ईश्वर-आराधना के लिए तो पूरी उम्र पड़ी है। अभी कैरियर बनाना है, घर की जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाऊं तो फिर पूजा-पाठ शुरू करूंगा। कुछ लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट के बाद ही भजन-कीर्तन करेंगे। पूजा-पाठ तो बुढ़ापे में करने की चीज है। समाज में आम धारणा बनी हुई है कि हमारी आध्यात्मिकता और ईश-चिंतन जीवन की सांझ का विषय है। तभी हम लगातार आध्यात्मिक कर्तव्यों के प्रति विमुख रहते हैं। लेकिन हमें जीवन की क्षणभंगुरता का अहसास नहीं होता। हमने धन, पद, पहचान और प्रतिष्ठा को जीवन की प्राथमिकता बना लिया है। साथ ही आत्मा की साधना को 'फुर्सत के क्षणों' की बात मान लिया है। हम भ्रम में रहते हैं कि पहले सामाजिक जिम्मेदारियां पूरी कर लें, फिर आध्यात्मिक साधना की बात सोचेंगे। हकीकत यह है कि जिम्मेदारियां समुद्री लहरों जैसी होती हैं-एक हटती है तो दूसरी आ जाती है। यदि हम लहरों के थमने की प्रतीक्षा करेंगे, तो कभी आध्यात्मिक सागर में डुबकी नहीं लगा पाएंगे। सच्चाई यह है कि ईश-चिंतन हमारी प्राथमिकताओं में ही नहीं है। इसकी वजह हमारी चेतना का जाग्रत न होना है। सुप्त चेतना को जगाने के लिए आध्यात्मिकता के आकाश में दो सूत्र हैं। पहला-महर्षि व्यास का ब्रह्मसूत्र 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' और दूसरा-क्रियायोगी परमहंस योगानंद का आह्वान, 'शेष सब कुछ प्रतीक्षा कर सकता है, परंतु आपकी ईश्वर-खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' भारतीय सनातन परंपरा में ब्रह्मसूत्र का स्थान अत्यंत उच्च और प्रतिष्ठित है। इस महान ग्रंथ का प्रथम सूत्र-'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा'-सम्पूर्ण आध्यात्मिक जीवन का उद्घोष है। यह सूत्र चार शब्दों से मिलकर बना है-'अथ' यानी अब, 'अत:' अर्थात इसलिए, ब्रह्म यानी परम सत्य और जिज्ञासा का अर्थ जानने की इच्छा। ब्रह्मसूत्र का पहला शब्द 'अथ' जिसका शाब्दिक अर्थ 'अब' या 'इसके बाद' है, परंपरागत भाषाओं में इसका अर्थ 'योग्यता प्राप्ति के बाद' लिया गया है-जब धर्मग्रंथों का अध्ययन कर लिया हो या अमुक स्तर की तपश्चर्या हो या विवेक-वैराग्य हो गया हो या इस स्तर तक अध्यात्मिक योग्यता हो गई हो आदि तब ब्रह्म को जानने की जिज्ञासा करो। वहीं परमहंस योगानंद ने इसका व्यावहारिक भाष्य दिया। उन्होंने 'अथ' की परिभाषा को योग्यता से हटाकर अनिवार्यता बना दिया और कहा-'आपकी ईश्वर-खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती। उन्होंने 'अथ' को चेतावनी का रूप दे दिया-अभी नहीं जागे तो फिर कब जागोगे। गृहस्थ हों या संन्यासी, पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, ईश्वर-खोज का समय 'अभी', इसी क्षण है। दूसरा शब्द 'अत:' (इसलिए) गहरे संकेत देता है। हमने जीवन में धन, मान-सम्मान, पारिवारिक सुख-सुविधाएं और सांसारिक उपलब्धियां प्राप्त कर लीं, पर क्या स्थायी शांति मिली? सुख के पीछे भय और संयोग के पीछे वियोग छिपा मिला। चूंकि सांसारिक नश्वर वस्तुएं आत्मा को पूर्ण संतुष्टि नहीं दे सकतीं, इसलिए अब उस परमतत्व की खोज आवश्यक है जो शाश्वत है। संत कबीर भी इसी सत्य को जनभाषा में कहते हैं-'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होयगी, बहुरि करेगा कब।' जीवन एक ऐसे 'फाइनल एग्जाम' की तरह है जिसकी कोई 'डेट-शीट' नहीं होती। घंटी कभी भी बज सकती है, उत्तर-पुस्तिका छीनी जा सकती है। यह सोचना कि अंतिम क्षणों में ईश्वर-स्मरण कर लेंगे और पार हो जाएंगे, मात्र भ्रम है। आध्यात्मिक अभ्यास बुढ़ापे का सहारा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। तैयारी सांझ में नहीं, बल्कि दिन के उजाले में-यानी अभी, इसी क्षण और पूरी शक्ति से करनी चाहिए।

छात्र संदेश

कल की आवाज, आज के पन्ने पर

मुस्कान

कक्षा-11वीं (कामर्स), मालवा खालसा सीनियर सैकेंडरी स्कूल, माडल ग्राम, लुधियाना

विद्यार्थियों में नशों का बढ़ता रूझान चिंताजनक

इंसान के लिए भयंकर खतरे वाले दो व्यापारों में से एक व्यापार है नशों का, दूसरा हथियारों का। नशा एक ऐसा जहरीला होता है, जो इंसान की सेहत के लिए बेहद घातक है। यह दिमाग के नाड़ी तंत्र को नष्ट करके मनुष्य को मानसिक तौर पर कमजोर, बुद्धिहीन करता है और दिमाग की शरीर पर नियंत्रण शक्ति कम करने का कारण बनता है। यह परिवार की आर्थिक व समाजिक जिंदगी को कमजोर बना देता है। नशा गैरजरूरी उत्सुकता पैदा करके इंसान को झूठा सुख और उत्साह देकर नकली खुशी का भ्रम पैदा करता है। यह सम्मान, स्वाभिमान व जमीर का गला दबा देता है और अपने व समाज के पतन का कारण बनता है। बेजमीर, स्वाभिमान रहित, निक्कमेपन का शिकार, कमजोर व मानसिक तनाव के शिकार नशेड़ियों से समाज भलाई की उम्मीद रखना गैर वाजिब है।

वैसे तो नशा हर व्यक्ति के लिए घातक है, पर संसार स्तर पर विद्यार्थियों में बढ़ रहा नशों का रूझान बहुत ही चिंताजनक है। विद्यार्थियों में यह रूझान ग्रेड 8 से पहले ही शुरू हो जाता है, जो ग्रेड 12 तक पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को अपनी जकड़ में ले लेता है। शराब, भांग, नशीली गोलियां, तंबाकू, अफीम व अन्य कई तरह के नशे जो हमारी युवा पीढ़ी को तबाही की ओर ले जा रहे हैं। किसे भी बीमारी के ईलाज के लिए उसके कारणों को जानना जरूरी है। सबसे पहले बात यह कि बच्चा जो कुछ सीखता है, उसकी शुरूआत घर से ही होती है। हमारी कम्यूनिटी में बहुत थोड़े घर ऐसे होंगे, जो नशे की मार से बचे होंगे। देखा-देखी बड़ों की नकल करके बच्चे भी नशों का प्रयोग करने लग जाते हैं। इसके अलावा व्यस्त जिन्दगी के चलते अभिभावक बच्चों की ओर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। इसलिए वह अपने आप को अनदेखा महसूस करने लगते हैं। कई बार यही बात उनको नशों की तरफ धकेल देती है। बच्चे में कोई दिमागी उलझन या पढ़ाई में कमजोर होने के कारण निराशा आना भी नशों की ओर प्रेरित होने का कारण बन सकता है। एक कहावत है 'जैसी संगत-वैसी रंगत'। परिवार के बाद बच्चे पर असर उसकी संगत का होता है और वह सहज स्वाभाव ही अपने दोस्तों-मित्रों की आदतों को ग्रहण कर लेता है, जो उसके साथियों में कोई नशे का प्रयोग करता हो, के कहने पर या उसकी रीस करके उसे भी नशे की लत लग जाती है। शौक-शौक में लगी यह लत धीरे-धीरे अपना गुलाब बना लेती है।

गीतों में देखते व सुनते हैं, खड़कदी जब गलासी मुंडे,
अल्लड़ा उते असर है पैंदा, उसे राह तुर जासी मुंडे।

सभ्याचार के नाम पर जो गीत संगीत बच्चों को सुनने को मिलता है, उसका उनके मन पर बहुत असर पड़ता है। बेशक यहां के बच्चों को पंजाबी पढनी, लिखनी या अच्छी तरह बोलनी नहीं आती, पर बहुगिनती में पंजाबी गीत जरूर सुनते हैं जिनमें किसे न किसे नशे बारे बात की गई हो, जैसे घर की शराब होवे, दारू पीना कम जट्टां दा। बहुत ही अधिक चिंता वाली बात है कि स्कूली लड़कियां भी नशों की दलदल में फंस रही हैं। अच्छे कामों के लिए लड़कों की बराबरी करना गर्व की बात है, पर नशे जैसी बुराईयों के लिए बराबरी हमारे समाज के माथे पर कलंक है।

'पहले नशे करदे सी मुंडे, हुण कुड़ियां भी लग गईयां,
मार्डन बनन दी चुहा दौड़ विच सभ्याचार नूं छड गईयां'

नशों की बीमारी ने हमारी युवा पीढ़ी को तबाही किनारे ला खड़ा कर दिया है। एड्स, किडनी, कैंसर, लीवर व दिल की बीमारियां खतरा बनकर मंडरा रही हैं। नशों से हंसते-खेलते घर उजड़ रहे हैं। नशे विद्यार्थियों के दिमाग को बंजर बना रहे हैं और उनके खोखले दिमाग में कुछ भी पैदा नहीं होगा क्योंकि सोचने की शक्ति खत्म होने पर व किसी काम के योग्य नहीं रहेंगे। विद्यार्थियों में फैल रहे नशे के कुष्ठ रोग को खत्म करने के लिए अभिभावकों, समाज सेवी संस्थाओं, राजनीतिक नेताओं, समाज सेवी कार्यकर्ताओं, समझदार नेताओं व धार्मिक संस्थानों को आगे आना चाहिए। नशे में फंसे युवाओं का मानसिक व शारीरिक बीमारियों से बचाव करने के लिए गंभीर व ठोस प्रयासों की जरूरत है, नहीं तो हमारी युवा पीढ़ी का भविष्य धुंधला ही नहीं, बल्कि अंधकारमय होगा।

टी-20 विश्व कप, कूटनीति और क्रिकेट का टकराव

क्रिकेट लंबे समय से सीमाओं, भाषाओं और राजनीतिक मतभेदों से परे एक साझा सांस्कृतिक पहचान रहा है। लेकिन हालिया घटनाक्रम में बांग्लादेश द्वारा भारत-पाकिस्तान के संयुक्त आयोजन से दूरी बनाना, खेल से अधिक राजनीतिक उद्देश्य को उजागर करता है। सुरक्षा का तर्क सामने रखा गया है, पर यह दलील कमजोर प्रतीत होती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने व्यापक सुरक्षा आकलन के बाद किसी भी प्रकार के खतरे से इनकार किया है।

यह निर्णय यह भी दर्शाता है कि वैश्विक खेल संस्थाएं अब अनिश्चितता और असमंजस को लंबा खींचने की स्थिति में नहीं हैं। विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित आयोजन की सफलता इसी में निहित है कि वह राजनीतिक दबावों से प्रभावित हुए बिना निष्पक्ष रूप से संचालित हो। यदि किसी एक देश की राजनीतिक स्थिति पूरे आयोजन को प्रभावित करने लगे, तो यह खेल की भावना के विपरीत होगा।

बांग्लादेश में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि सामाजिक उम्मीदों और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। विश्व कप में उसका हिस्सा बनना खिलाड़ियों के भीतर आत्मविश्वास और देशवासियों में उत्साह भर सकता था। किंतु यदि टीम बाहर रहती है, तो यह निराशा, अलगाव और कुंठा की भावना को जन्म दे सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह निर्णय नुकसानदेह सिद्ध हो सकता है। आईसीसी आयोजनों से मिलने वाला राजस्व, प्रायोजन और भविष्य की संभावनाएं प्रभावित होंगी। इस पूरे विवाद की जड़ें हालिया घटनाओं में भी दिखाई देती हैं। पाकिस्तान की मेजबानी में हुए एशिया कप में भारतीय टीम का पाकिस्तान न जाना और उसके बाद बांग्लादेश और अफगान के बीच विवाद, क्रिकेट और राजनीति के टकराव को और गहरा करते हैं। आईसीसी और एशियाई क्रिकेट परिषद के निर्णयों पर भी सवाल उठे हैं।

आईसीसी द्वारा इस मामले को स्पष्ट रूप से सुलझाया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी भी देश की राजनीतिक स्थिति वैश्विक क्रिकेट आयोजनों पर हावी न हो। खेल को राजनीति से अलग रखना ही क्रिकेट की आत्मा को बचा सकता है।

— जसवंत सिंह राजपूत

सरकार लेकर आई नई स्कीम, अब आधार कार्ड पर भी मिलेगा लोन

नेशनल डेस्क (सत्ता संदेश)- छोटा कारोबार शुरू करने या उसे आगे बढ़ाने के लिए हमेशा बड़ी पूंजी होना जरूरी नहीं होता। कई बार सही समय पर थोड़ी सी आर्थिक मदद भी जिंदगी की दिशा बदल सकती है। देश में लाखों ऐसे लोग हैं जो रोज कमाते हैं और उसी कमाई से अपना और अपने परिवार का गुजारा करते हैं। ऐसे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने एक खास योजना शुरू की है, जिसका नाम है प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पात्र व्यक्ति सिर्फ आधार कार्ड के आधार पर 90 हजार रुपये तक का लोन ले सकता है। इसके लिए न किसी गारंटर की जरूरत पड़ती है और न ही कोई संपत्ति गिरवी रखनी होती है। लोन की पूरी राशि सीधे

लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है, जिससे प्रक्रिया और भी आसान हो जाती है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना खास तौर पर शहरी इलाकों में काम कर रहे रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे दुकानदारों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इस स्कीम में लोन एक बार में नहीं, बल्कि तीन चरणों में दिया जाता है। पहले चरण में 10 हजार रुपये मिलते हैं। इसका समय पर भुगतान करने पर दूसरे चरण में 30 हजार रुपये और फिर तीसरे चरण में 50 हजार रुपये का लोन मिलता है। इस तरह नियमों का पालन करते हुए कुल 90 हजार रुपये तक की सहायता मिल सकती है। समय पर ई.एम.आई. चुकाने वाले लाभार्थियों को 7 प्रतिशत तक की ब्याज सब्सिडी का फायदा भी दिया जाता है। यह सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में जमा होती है। इसके अलावा डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए हर महीने कैशबैक की सुविधा भी दी जाती है, जिससे कमाई में और इजाफा हो सकता है। इस योजना का लाभ वही लोग ले सकते हैं जो शहरों या कस्बों में स्ट्रीट वेंडर के रूप में काम कर रहे हों। इसके लिए नगर निकाय से मिला वेंडिंग सर्टिफिकेट या पहचान पत्र जरूरी होता है। जिन लोगों का नाम सर्वे में शामिल नहीं है, वे भी सिफारिश पत्र और सत्यापन के जरिए इस योजना का लाभ ले सकते हैं। आवेदन करने के लिए योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर मोबाइल नंबर से लॉगिन करना होता है और ऑनलाइन फॉर्म भरना होता है। सभी दस्तावेज सही पाए जाने पर आमतौर पर 30 दिनों के भीतर लोन मंजूर हो जाता है। आवेदनकर्त्ता अपनी एप्लीकेशन की स्थिति ऑनलाइन ही कभी भी चेक कर सकता है।

भाजपा अध्यक्ष नबीन ने नई जिम्मेदारियां संभालते ही की 5 राज्यों में चुनाव तैयारियों की समीक्षा

नबीन ने की पार्टी पदाधिकारियों को संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने की अपील

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई जिम्मेदारियां संभालने के एक दिन बाद पार्टी के पदाधिकारियों के साथ अपनी पहली रणनीतिक बैठक की और पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार, दिनभर चली बैठक में नबीन ने पार्टी पदाधिकारियों से जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने वी.बी.-जी राम जी अधिनियम को लेकर कांग्रेस के नकारात्मक अभियान का जवाब देने के निर्देश दिए और नई ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रयास तेज करने को कहा। भाजपा पहले से ही पूरे देश में एक अभियान चला रही है, ताकि यू.पी.ए. सरकार द्वारा शुरू की गई मनरेगा योजना की जगह लेने वाली योजना के खिलाफ विमर्श बनाने के कांग्रेस के प्रयासों का मुकाबला किया जा सके। सूत्रों के अनुसार बैठक में नबीन ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ देश भर में चुनाव प्रचार अभियान के संचालन के तरीके पर चर्चा की और इसे और मजबूत करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। इस बैठक में कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिसमें भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जे.पी. नड्डा पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और राज्य इकाई के पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ उपस्थित थे। एक नेता ने बताया कि नड्डा ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया और बैठक में चर्चा किए गए विभिन्न मुद्दों पर अपना मार्गदर्शन और सुझाव दिए। दूसरी तरफ तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले

राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के प्रमुख टी.टी.बी. दिनाकरण भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने जा रहे हैं। दिनाकरण जल्द ही केंद्रीय मंत्री और सीनियर भाजपा नेता पीयूष गोयल से मिलने वाले हैं, जो तमिलनाडु भाजपा के चुनाव प्रभारी हैं।

विधानमंडल लोकतंत्र का मूल स्तंभ है, जिसके माध्यम से अंतिम व्यक्ति की आवाज सरकार तक पहुंचती है-योगी

कहा, विधानमंडल वह जगह है जहां न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाए जाते हैं

लखनऊ (सत्ता संदेश)-उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र का मूल स्तंभ और सबसे प्रभावी मंच है जिसके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज सरकार तक पहुंचती है। यहां 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन और विधायी निकायों के सचिवों के 62वें सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के विधानमंडल न केवल कानून बनाने में बल्कि समावेशी और व्यापक विकास के लिए नीतियां बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'विधानमंडल लोकतंत्र की मूलभूत इकाई है। संविधान के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए, यह न केवल कानून बनाता है, बल्कि समग्र विकास की योजना बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी कार्य करता है। उन्होंने कहा कि न्याय, समानता और भाईचारे के संवैधानिक मूल्य भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैं और विधानमंडलों में उनकी सबसे सार्थक अभिव्यक्ति होती है। उन्होंने कहा, 'विधानमंडल वह जगह है जहां न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाए जाते हैं, जहां एक समान समाज के निर्माण के लिए सरकारी नीतियां आकार

लेती हैं, और जहां आम सहमति, संवाद और स्वस्थ बहस के माध्यम से भाईचारा परिलक्षित होता है। आदित्यनाथ ने कहा कि भारत भाग्यशाली है कि उसके पास मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं जो दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा,'हमारे लोकतंत्र में, समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी अपने चुने हुए प्रतिनिधि के माध्यम से देश के सर्वोच्च सदन के सामने अपनी बात रख सकता है, और उस आवाज को पूरी ताकत से सुना जाता है। उन्होंने चुने हुए प्रतिनिधियों को इस प्रणाली का मुख्य स्तंभ बताया। गोरखपुर से पांच बार लोकसभा सदस्य के रूप में अपने अनुभव को याद करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि संसद ने उन्हें शासन, आचरण, प्रक्रियाओं और आम सहमति बनाने के मूल्यों को सिखाया। उन्होंने कहा कि राज्य विधानमंडल संसदीय प्रथाओं और प्रक्रियाओं से प्रेरणा लेकर अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सुधारों का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सदस्यों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नकाल के नियमों में बदलाव किए गए, जिससे अधिक विधायकों को मुद्दे उठाने और कार्यवाही की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने की अनुमति मिली। मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान सार्थक चर्चा में योगदान देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना और विधायी संस्थानों से जुड़े अधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करते हैं और उनके कामकाज को जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने में मदद करते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आएंगी अयोध्या दौरे पर

राम मंदिर कार्यक्रम में करेंगी शिरकत

अयोध्या (सत्ता संदेश)-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। ट्रस्ट के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत 2083 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति शिरकत करेंगी। ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू इस आयोजन की मुख्य अतिथि होंगी। इस अवसर पर राष्ट्रपति राम मंदिर में काम कर रहे 400 कर्मचारियों को सम्मानित भी करेंगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी कृष्ण मोहन और निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रपति मुर्मू को व्यक्तिगत तौर पर निमंत्रित किया। आप को बता दें कि अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के दो वर्ष 22 जनवरी को पूरे होने जा रहा है। ऐसे में गुजरात सरकार ने बूचड़खाने बंद करने के निर्देश दिए हैं। शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगमों और अन्य नगरपालिकाओं के आयुक्तों को पत्र लिखकर उनसे बृहस्पतिवार को बूचड़खानों को बंद करने के अपने आदेश को लागू करने का अनुरोध किया है। विभाग ने इस पत्र के जरिए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राम मंदिर में भगवान राम के बाल रूप के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी सालगिरह के समारोहों के मद्देनजर उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शहरों और कस्बों में स्थित बूचड़खानों को बंद रखा जाए। गौरतलब है कि राम मंदिर का उद्घाटन और रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हुई थी।

मैंने संसद में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का विरोध नहीं किया: शशि थरूर

तिरुवनंतपुरमः कांग्रेस सांसद शशि थरूर शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल में पहुंचे। यहां पर उन्होंने केरल कांग्रेस की बैठक में नहीं जाने पर मीडिया द्वारा किए गए सवालों के भी जवाब दिए। उन्होंने कहा, मैं जो कहना चाहता था, वह मैंने पार्टी लीडरशिप को बता दिया है। यह सही नहीं है कि मैं इस बारे में पब्लिक में बात करूं। उन्होंने कहा- मीडिया कई बातें कह सकता है, कुछ सही हो सकती हैं, कुछ गलत हो सकती हैं। मैंने पहले ही पार्टी लीडरशिप को बता दिया था कि मैं इसमें शामिल नहीं हो पाऊंगा। अब इसे कैंसिल करना मुमकिन नहीं है, और दिल्ली से कोझिकोड वापस आना आसान नहीं है। इसके अलावा थरूर ने कहा, मैंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का किसी भी स्टेज पर विरोध नहीं किया है। एकमात्र मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर पब्लिक में असहमति हुई।

केंद्रीय गृह मंत्रालय पूर्व अग्निवीरों को सी.ए.पी.एफ. में समाहित करने के लिए व्यापक नीति लाएगा-महानिदेशक प्रवीर रंजन

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-केंद्रीय गृह मंत्रालय पूर्व अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सी.ए.पी.एफ.) में समाहित करने के लिए एक व्यापक नीति लाएगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) के

कहा, केंद्र सरकार जल्द देश की तटरेखा से जुड़े समुदायों के लिए 'तटीय जीवंत गांव' कार्यक्रम शुरू करेगी

महानिदेशक प्रवीर रंजन ने यह जानकारी दी। रंजन ने कहा कि यह गृह मंत्रालय का नीतिगत विषय है और सभी सी.ए.पी.एफ. से परामर्श के बाद उचित नीति बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सी.आई.एस.एफ. ने भी इस संबंध में एक समिति गठित की है, जो पूर्व अग्निवीरों को बल में शामिल करने के तरीकों पर काम कर रही है। पूर्व अग्निवीरों को किस अनुपात में और कहां तैनात किया जाएगा, इसका निर्णय गृह मंत्रालय करेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि नौसेना से आए अग्निवीर बंदरगाहों की सुरक्षा से जुड़े सुरक्षा सी.आई.एस.एफ. के दायित्वों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। गौरतलब है कि जून 2022 में केंद्र सरकार ने अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी, जिसके तहत 17.5 से 21 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को 4 साल के लिए सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती किया जाता है। इनमें से 25 प्रतिशत को स्थाई सेवा में रखा जाता है, जबकि 75 प्रतिशत सेवा से मुक्त होते हैं। सरकार पहले ही सी.ए.पी.एफ. में कांस्टेबल पदों पर भविष्य की भर्तियों में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा कर चुकी है। सी.ए.पी.एफ .में सी.आर.पी.एफ., बी.एस.एफ., सी.आई.एस.एफ., आई.टी.बी.पी. और एस.एस.बी. शामिल हैं। इसके अलावा, रंजन ने बताया कि केंद्र सरकार जल्द ही देश की तटरेखा से जुड़े समुदायों के लिए 'तटीय जीवंत गांव' कार्यक्रम शुरू करेगी, जो सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए चल रहे जीवंत गांव कार्यक्रम की तर्ज पर होगा।

अरावली मामले की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी चेतावनी

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ की प्रसिद्ध सुखना झील के लगातार सूखने पर गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने इस स्थिति को अवैध निर्माण से जोड़ते हुए हरियाणा सरकार को अतीत की गलतियां दोहराने से सख्त चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश (सी.जे.आई.) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्य के अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत के कारण सुखना झील को भारी नुकसान पहुंचा है। कोर्ट ने कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा, 'सुखना झील को कितना सुखाओगे? अधिकारियों और बिल्डर माफिया की सांठगांठ से झील को पूरी तरह नुकसान पहुंच चुका है।' सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अरावली पर्वतमाला की नई परिभाषा को लेकर चल रही सुनवाई के दौरान सामने आई। नई परिभाषा को लेकर

चंडीगढ़ की प्रसिद्ध सुखना झील के लगातार सूखने पर गंभीर जताई चिंता

देशभर में विरोध के बाद कोर्ट ने पिछले वर्ष अपने ही आदेश पर रोक लगाते हुए इस विषय की विस्तृत जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति (सी.ई.सी.) का गठन किया था। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने सरकार द्वारा प्रस्तावित अरावली की परिभाषा को स्वीकार किया था, जिसके अनुसार 100 मीटर ऊंचाई वाली पहाड़ियों को 'अरावली' माना गया है। वहीं, 500 मीटर के दायरे में स्थित दो या उससे अधिक ऐसी पहाड़ियों तथा उनके बीच का क्षेत्र 'अरावली पर्वतमाला' के अंतर्गत आएगा। सुनवाई के दौरान सी.जे.आई. ने कोर्ट की सहायता कर रहे एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर को निर्देश दिया कि वे सभी पक्षों और हितधारकों के सुझावों को शामिल करते हुए चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत नोट दाखिल करें। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अपने आगामी आदेश में 'वन' और 'अरावली' की परिभाषाओं को अलग-अलग रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि अपने नए आदेश में 'जंगलों' और 'अरावली' की परिभाषा को अलग-अलग रखा जाएगा। 'जंगल क्या है, इसकी परिभाषा की जांच अलग से की जाएगी। हम इसे एक व्यापक शब्द मानेंगे। अरावली के मुद्दे को सीमित रखा जाएगा।

यूरोपीय बाजार मांग का एशिया की ओर झुकाव खोल सकता है पंजाब के लिए नए दरवाजे

केंद्र सरकार ने नए बाजारों के साथ व्यापार के रास्ते खोलने की पहल की

जालंधर (सत्ता संदेश)- अमेरिका की बदली हुई विदेश व व्यापार नीतियां और खासतौर पर वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, यूरोपीय संघ और ईरान के संदर्भ में लिए जाने वाले निर्णय वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई अनिश्चितताएं पैदा कर रहे हैं। इन नीतियों का असर भारत और विशेषकर पंजाब पर पड़ना तय है। इसी पर चर्चा के लिए सीटी ग्रुप के डायरैक्टर (डी.ओ.ए.) और एडिशनल डायरैक्टर (रिसर्च एंड डिवेल्पमेंट) डा. वनीत कुमार ठाकुर बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौर में प्रतिबंधों और व्यापारिक तनावों ने पहले भी सप्लाई चेन को प्रभावित किया है और मौजूदा परिस्थितियों में जोखिम फिर उभर रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि हर संकट अपने साथ अवसर भी लाता है और यही समय है जब पंजाब के निर्यातक रणनीतिक बदलाव के जरिए बढ़त बना सकते हैं। पंजाब का निर्यात मुख्यत: कृषि आधारित उत्पादों (विशेषकर बासमती चावल), खेल सामग्री, साइकिल- पार्ट्स, मशीनरी और टैक्सटाइल पर टिका है। ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों पर यदि प्रतिबंध सख्त होते हैं तो उर्वरकों, कच्चे तेल और शिपिंग की लागत बढ़ना तय है। इससे उत्पादन लागत ऊपर जाएगी। हालांकि इसका सकारात्मक पहलू यह है कि अमेरिका और यूरोपियन संघ के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने की स्थिति में यूरोपीय बाजारों में मांग का झुकाव एशिया की ओर हो सकता है। यह बदलाव पंजाब के लिए नए दरवाजे खोल सकता है। खेल सामान और साइकिल उद्योग, जो पहले से गुणवत्ता और कस्टमाइजेशन में मजबूत हैं, यूरोप की वैकल्पिक सप्लाई जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। समय पर डिलीवरी और डिजाइन इनोवेशन के साथ पंजाब अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। सरकार की भूमिका भी इस बदलाव में अहम है। केंद्र सरकार ने नए बाजारों के साथ व्यापार के रास्ते खोलने की पहल की है, जिससे निर्यातकों को विकल्प मिल सके। हालांकि सफलता की असली कुंजी उद्योग के हाथ में है। उत्पादों की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ले जाना, प्रमाणन पर जोर देना और ब्रांडिंग में निवेश करना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। अब हमारा लक्ष्य ही होना चाहिए कि जो उपभोक्ता एक- बार भारतीय उत्पाद अपनाए, वह उसका मुरीद बन जाए।

उच्च शिक्षण संस्थानों को करने होंगे बदलाव-डा. वनीत

डा. वनीत ने कहा कि इस परिवर्तन का समाधान स्किल बेस्ड शिक्षा और तकनीक अपग्रेडेशन से होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों को बाजार की जरूरतों को समझते हुए सिलेबस में लगातार बदलाव करने होंगे। प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, इंडस्ट्री- एकेडमीया सांझेदारी, आटोमेशन, एआइ-सपोर्टेड डिजाइन और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग फोकस बढ़ना होगा। इससे न केवल उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि वैश्विक खरीदारों का भरोसा भी मजबूत होगा।

शंकराचार्य की जान को खतरा, संत के वेश में गुंडे घूम रहेः देवेंद्र पांडे

प्रयागराजः प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। शंकराचार्य के विशेष प्रतिनिधि देवेंद्र पांडे ने बताया, यह हमारी मजबूरी है, क्योंकि शंकराचार्य सड़क पर बैठे हैं। यहां प्रशासन और उसके गुंडे हैं। संत के वेश में यहां शैतान घूम रहे हैं। उनसे शंकराचार्य की जान को खतरा है। रात में आकर वीडियो बनाते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं कि नोटिस देने आए हैं। इसलिए सुरक्षा के तौर पर शिविर के अंदर और बाहर 12 सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। वहीं अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत अभी भी खराब है। रात में उन्होंने दवा ली थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें तेज बुखार था। वहीं मेला प्रशासन की ओर से जारी नोटिस के जवाब अविमुक्तेश्वरानंद ने दे दिए है।

भारत बन सकता है विश्व का 'स्किल केपिटल'

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा होने के कारण यह संभावना जताई जा रही है कि भारत विश्व का 'स्किल केपिटल'बन सकता है, लेकिन इस उत्साह का सच बताते यह आंकड़े हतोत्साहित भी कर रहे हैं कि बीते वर्षों में औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की भागीदारी अलग-अलग रिपोर्ट के अनुसार, मात्र दो से पांच प्रतिशत ही है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अलग से कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय बनाकर मोदी सरकार ने 2014 से इस दिशा में प्रयास तेज किए हैं, लेकिन सवाल उठता है कि धरातल पर क्या है! इसका परिणाम क्या रहा! शिक्षा को रोजगारपरक बनाने के प्रयास और कौशल विकास की ढेरों योजनाओं के बावजूद रोजगार-स्वरोजगार एक मुद्दा बना हुआ है। दरअसल, मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद से ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना यानी

*** कौशल से जोड़कर युवाओं को रोजगार के योग्य बनाना होगा**
*** स्कूली स्तर से व्यावसायिक प्रशिक्षण की रखनी होगी नींव**

पी.एम.के.वी.आई. की 'अंब्रेला स्कीम' के तहत कौशल विकास की विभिन्न योजनाएं चल रही हैं। यह भी सच है कि इसके अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर बार-बार इसमें संशोधन किया गया और वर्तमान में इसका चौथा चरण चल रहा है। इसके तहत उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार आई.टी.आई. व अन्य कौशल प्रशिक्षण संस्थानों में नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। औद्योगिक प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने के लिए उद्योगों की भागीदारी जाएगी। इसके बावजूद इस चुनौती को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भी रेखांकित करता रहा है कि अभी भी उद्योग इतनी गंभीरता से सक्रिय नहीं हुए हैं। बदलती प्रौद्योगिकी के कारण हैं। बदलती प्रौद्योगिकी के कारण स्किल गैप बना हुआ है। चूंकि, विशेषज्ञों का जोर इस पर था कि शिक्षा और कौशल को एक ट्रैक पर लाते हुए शिक्षा को किताबी नहीं रखते हुए कौशल से जोड़कर युवाओं को रोजगार के कुशल बनाना होगा, इसीलिए सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लेकर आई। मगर, व्यावहारिक समस्या को आंकड़ों के माध्यम से समझा जा सकता है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, दसवीं तक सकल नामांकन अनुपात 78 प्रतिशत है, जो बारहवीं तक का 58 प्रतिशत है तो स्नातक स्तर तक पहुंचते- पहुंचते 29 प्रतिशत रह जाता है। इसी तरह समग्रता में बात करें तो भारत को विकसित बनाने के लिए युवा पीढ़ी को इससे कहीं अधिक गति से व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़ना होगा। जैसे कि भारत के दो से पांच प्रतिशत की तुलना में दक्षिण कोरिया में 96 प्रतिशत, जर्मनी में 75 प्रतिशत, जापान में 80 प्रतिशत तो ब्रिटेन में 68 प्रतिशत तक है।

साइबर फॉड होने पर तुरंत इस नंबर पर करें संपर्क, सरकार ने जारी की हेल्पलाइन

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-डिजिटल लेनदेन के बढ़ते चलन के साथ साइबर ठगी के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई और मोबाइल ट्रांजैक्शन ने जहां लोगों की जिंदगी आसान बनाई है, वहीं ठगों को धोखाधड़ी के नए तरीके भी मिल गए हैं। एक मिस्ड कॉल, फर्जी मैसेज या नकली कस्टमर केयर नंबर के जरिए कुछ ही मिनटों में बैंक खाता खाली किया जा सकता है।

अक्सर ठगी का अंदेशा होते ही लोग घबरा जाते हैं और समय पर शिकायत नहीं कर पाते। इसी देरी का फायदा उठाकर ठग रकम को कई खातों में ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में सतर्कता और तुरंत कार्रवाई बेहद जरूरी है।

ठगी का शक हो तो तुरंत 1930 पर कॉल करें

अगर आपको जरा-सी भी आशंका हो कि आप साइबर फॉड का शिकार हुए हैं, तो बिना देर किए 1930 नंबर पर कॉल करें। यह भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन है, जो 24 घंटे सक्रिय रहती है। कॉल करते ही शिकायत दर्ज की जाती है और संबंधित बैंक या पेमेंट ऐप को सूचना भेजी जाती है, ताकि ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर होने से रोका जा सके।

शिकायत दर्ज कराते समय ट्रांजैक्शन विवरण, मोबाइल नंबर, बैंक या ऐप का नाम और ठगी का तरीका सही-सही बताना जरूरी होता है। इसके अलावा पीड़ित cybercrime.gov.in पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं।

ट्रेनों में यात्रियों के साथ हो रही चोरी की वारदातें बनी जी.आर.पी .के लिए बड़ी चुनौती

ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा व एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर खड़े हुए सवाल

लुधियाना (सत्ता संदेश-लुधियाना रेलवे स्टेशन के आउटर और ढंढारी और लड़ वाल स्टेशन के बीच खड़ी होने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातों ने जी.आर.पी. (गवर्नमेंट रेलवे पुलिस) की चिंता बढ़ा दी है। अक्टूबर में चोर बी.एस.एफ. जवान का मोबाइल चोरी कर फरार हो गया था। बी.एस.एफ. जवान ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो वह ट्रैक के नीचे गिर गया, जिससे उसका पैर कट गया था। आरोपित को आज तक पुलिस पकड़ नहीं पाई है। यही नहीं कुछ दिन पहले भी लुधियाना आ रही हावड़ा मेल में फिल्लौर के पास महिला का मोबाइल चोर ने चोरी कर लिया। हालांकि महिला की मुस्तैदी से चोर पकड़ा गया, लेकिन जिस तरह से ट्रेनों में यात्रियों के साथ वारदात हो रही हैं, इससे ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा व एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं? ट्रेन में चोरी की बात करें तो पिछले एक वर्ष में सुबह और रात के समय बोगियों में चोर गिरोह लगातार यात्रियों को निशाना बना रहा है। कई शिकायतें तथा केस दर्ज होने के बावजूद पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है। यह गिरोह जी.आर.पी .के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है। चोर खासतौर पर उन ट्रेनों को निशाना बनाते हैं जो फील्ड गंज स्थित गुरुद्वारा दुख निवारण की बैक साइड आउटर सिग्नल पर खड़ी होती हैं। इसके अलावा ढंडारी, दोमोरिया पुल, लाडोवाल स्टेशन के आसपास सिग्नल के कारण कुछ समय के लिए ट्रेन खड़ी रहती हैं। इसी दौरान चोर ट्रेन की बोगियों में चढ़ जाते हैं और सो रहे यात्रियों के मोबाइल, पर्स, नकदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर देते हैं। चोरी के बाद वे तुरंत ट्रेन से उतरकर फील्ड गंज, इस्लाम गंज, दोमोरिया पुल नजदीक उपकार नगर के आसपास की संकरी गलियों में फरार हो जाते हैं।

क्या कहते हैं जी.आर.पी. थाना प्रभारी

थाना प्रभारी जीआरपी थाना प्रभारी जतिंदर सिंह ने बताया कि चोर स्थानीय इलाकों से भली-भांति परिचित हैं। वारदात के बाद वे इतनी तेजी से गलियों में गायब हो जाते हैं कि उनके बारे पता नहीं चलता। कई बार सी.सी. टीवी फुटेज भी खंगाले गए, लेकिन स्पष्ट पहचान न होने के कारण गिरफ्तारी नहीं हो सकी। फिलहाल वे खुद उन प्वांइट पर नाका लगा रहे हैं जहां वे ट्रेनों में चढ़ते है या उतरते हैं। उनके बारे में जानकारी एकत्र की जा रही हैं, उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। यात्रियों से भी अपील कि वे सफर के दौरान सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना जी.आर.पी. को दें।

चोरी की वारदातों का विवरण

मार्च 2025 में अमृतसर से लुधियाना आ रही पैसेंजर ट्रेन में दो यात्रियों के मोबाइल चोरी हो गए। अप्रैल 2025 में जालंधर-लुधियाना पैसेंजर ट्रेन में महिला का पर्स चोरी हुआ, जिसमें नकदी और दस्तावेज थे। जून 2025 में रात के समय खड़ी ट्रेन से तीन यात्रियों के मोबाइल गायब हो गए। अक्टूबर 2025 में बी.एस.एफ. जवान के मोबाइल चोरी कर चोरी फरार हो गया। पकड़ने की कोशिश की तो जवान की टांग कट गई।

फ्लाइट में फल ले जाते पकड़े जाने पर हो सकता है भारी जुर्माना!

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-हवाई जहाज से यात्रा करते समय यात्रियों को कई सुरक्षा नियमों का पालन करना होता है। फ्लाइट में चढने से पहले कुछ चीजों को ले जाने पर पूरी तरह रोक होती है, जिसकी एक तय सूची होती है। अगर कोई यात्री इन नियमों की अनदेखी करता है, तो एयरपोर्ट पर सामान जब्त किया जा सकता है या जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इन्हीं प्रतिबंधित चीजों में एक आम सा दिखने वाला फल भी शामिल है, नारियल। विमान में किसी भी तरह का नारियल ले जाने की अनुमति नहीं होती। चाहे वह नारियल पानी हो, सूखा नारियल हो या पूजा में इस्तेमाल किया जाने वाला जटा वाला नारियल, इसे हैंड बैग या चेक-इन बैग में नहीं रखा जा सकता। इसकी वजह सुरक्षा से जुड़ी है। नारियल को ज्वलनशील माना जाता है, खासकर सूखे नारियल में मौजूद तेल आग को भड़का सकता है। इसी खतरे को देखते हुए विमानन सुरक्षा एजेंसियां फ्लाइट में नारियल ले जाने पर सख्त रोक लगाती हैं। इसलिए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरपोर्ट पहुंचने से पहले प्रतिबंधित सामान की सूची जरूर जांच लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी परेशानी या नुकसान से बचा जा सके।

किला रायपुर में रूरल ओलंपिक्स 30 जनवरी से, तीनों दिन होगी बैलगाड़ी दौड़

डी.सी. हिमांशु जैन ने जारी किया खेलों का पोस्टर

लुधियाना (सत्ता संदेश) : डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने बचत भवन लुधियाना में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पंजाब सरकार 30 जनवरी से 1 फरवरी तक किला रायपुर में रूरल ओलंपिक्स कराएगी। इन खेलों में तीनों दिन बैलगाड़ी दौड़ भी होगी। पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान भी इन खेलों में आएंगे।

इस मौके पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (रूरल डेवलपमेंट) अमरजीत बैंस, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (लुधियाना ईस्ट) जसलीन कौर भुल्लर, किला रायपुर स्पोर्ट्स सोसाइटी (पट्टी सुहाविया) के प्रेसिडेंट कर्नल सुरिंदर सिंह ग्रेवाल, जनरल सेक्रेटरी गुरविंदर सिंह, कोच परमजीत सिंह, स्पोक्सपर्सन गुरिंदर सिंह ग्रेवाल, वर्किंग कमेटी इंचार्ज बलराज गाबा भी डिप्टी कमिश्नर के साथ मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि बैलगाड़ी रेस कराने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से एक कमेटी भी बनाई गई है। यह कमेटी एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया और पंजाब सरकार की तरफ से समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों, प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट 1960 और प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (पंजाब अमेंडमेंट) एक्ट, 2019 का पालन पक्का करेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप वाली पंजाब सरकार लगातार तीसरे साल राज्य में रूरल ओलंपिक्स करा रही है।

हिमांशु जैन ने मशहूर किला रायपुर रूरल ओलंपिक्स-2026 का

पोस्टर रिलीज़ करते हुए कहा कि गेम्स के पहले दिन 30 जनवरी 2026 को, शेड्यूल में हॉकी मैच (बॉयज़ ओपन कैटेगरी), हॉकी मैच (गर्ल्स ओपन कैटेगरी), 1500m (बॉयज़) फ़ाइनल, 1500m (गर्ल्स) फ़ाइनल, 400m बॉयज़ हीट्स/फ़ाइनल, 400m गर्ल्स हीट्स/फ़ाइनल, 60 m रेस प्राइमरी स्कूल बॉयज़, 60m रेस प्राइमरी स्कूल गर्ल्स, बैलगाड़ी रेस (दोपहर 12:15 बजे से 12:15 बजे तक) शामिल होंगे। ओपनिंग सेरेमनी के दौरान गिद्दा, भांगड़ा और निहंग सिंहों की परफ़ॉर्मेंस भी होगी।

उन्होंने बताया कि 31 जनवरी 2026 को हॉकी मैच (बॉयज़ ओपन सेमी-फ़ाइनल), हॉकी मैच (गर्ल्स ओपन सेमी-फ़ाइनल), कबड्डी सर्कल स्टाइल (बॉयज़), शॉट पुट (बॉयज़), शॉट पुट (गर्ल्स), कबड्डी सर्कल स्टाइल (गर्ल्स), कबड्डी नेशनल स्टाइल अंडर 17 (गर्ल्स), 100 मीटर बॉयज़ हीट्स, 100 मीटर गर्ल्स हीट्स, बैलगाड़ी रेस (दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक), लॉन्ग जंप बॉयज़ फ़ाइनल, लॉन्ग जंप गर्ल्स फ़ाइनल, 100 मीटर बॉयज़ फ़ाइनल, 100 मीटर गर्ल्स फ़ाइनल, टग ऑफ़ वॉर बॉयज़ और बैलगाड़ी रेस (शाम 4:00 बजे से) होंगी।

उन्होंने आगे बताया कि 1 फरवरी 2026 को कबड्डी नेशनल स्टाइल अंडर 17 गर्ल्स, बैलगाड़ी दौड़ (सुबह 10:00 बजे से), कबड्डी सर्कल स्टाइल वन विलेज ओपन (लड़के), शॉट पुट (लड़के) फाइनल, 200 मीटर लड़कों का हीट्स फाइनल, 200 मीटर लड़कियों का हीट्स फाइनल, हाई जंप लड़कों का फाइनल, शॉट पुट (लड़कियां) फाइनल, 800 मीटर लड़कों का फाइनल, 800 मीटर लड़कियों का फाइनल, हाई जंप लड़कियों का फाइनल, 2000 मीटर साइकिल रेस लड़कों का, 2000 मीटर साइकिल रेस लड़कियों का, 100 मीटर रेस पुरुषों (65+ साल), 100 मीटर रेस पुरुषों (75+ साल), 100 मीटर रेस पुरुषों (80+ साल), ट्रॉली लोडिंग अनलोडिंग, ट्राइसाइकिल रेस, बैलगाड़ी दौड़ (शाम 5:00 बजे से)।

उन्होंने कहा कि खेलों के तीन दिनों के दौरान एक प्रसिद्ध पंजाबी गायक भी प्रदर्शन देकर दर्शकों का मनोरंजन करेगा

डिप्टी कमिश्नर ने ज़ोर देकर कहा कि पंजाब सरकार राज्य में स्पोर्ट्स कल्चर को बढ़ावा देने और पंजाब की स्पोर्ट्स शान को फिर से ज़िंदा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पंजाब में टैलेंट की कोई कमी नहीं है, लेकिन स्किल्स को पहचानने और उन्हें निखारने की ज़रूरत है। यह रूरल ओलंपिक्स भविष्य के चैंपियन बनाने में मददगार साबित होगा।

हिमांशु जैन ने यह भी भरोसा दिलाया कि ज़िला प्रशासन हिस्सा लेने वालों के लिए एक आसान अनुभव पक्का करने के लिए पूरे इंतज़ाम करेगा और कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने पंजाब के लिए इन खेलों की अहमियत पर ज़ोर दिया और अलग-अलग डिपार्टमेंट हेड्स को सभी इंतज़ाम पक्का करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिप्टी कमिश्नर ने लोगों को खेलों की पॉपुलैरिटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बड़ी संख्या में हिस्सा लेने के लिए भी मोटिवेट किया।

त्रिधा चौधरी का टैलीविजन से बॉलीवुड तक का सफर

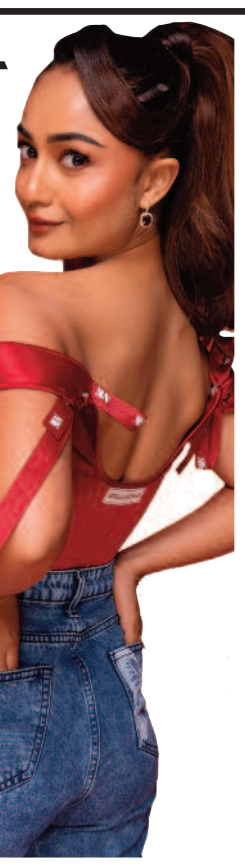

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में छेड़छाड़ और गलत व्यवहार के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं । अब त्रिधा चौधरी ने ऐसी ही एक घटना का खुलासा किया है, जिसे उसने अपनी आंखों से होते देखा। गत दिनों त्रिधा कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' में नजर आई जिसमें उसके साथ आयशा खान भी अहम भूमिका में है। एक इंटरव्यू में त्रिधा से जब गलत अप्रोच को लेकर सवाल किया गया, तो उसने बताया कि फिल्म के सैट पर फोटो सैशन के दौरान किसी शख्स ने आयशा खान को अनुचित तरीके से छुआ था। त्रिधा के अनुसार, यह बात फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के सैट पर हुई। हम तस्वीरें ले रहे थे, तभी किसी ने आयशा को गलत तरीके से टच कर दिया। मैं ठीक सामने खड़ी थी। त्रिधा ने आगे बताया कि आयशा ने उस वक्त चुप्पी साधी, लेकिन बाद में इस पर चर्चा की। उसने कहा कि ऐसी चीजों से बचना चाहिए। भले ही वह शख्स दोबारा न मिले, लेकिन ये यादें दिमाग में रह जाती हैं इसलिए मैं हमेशा सतर्क रहती हूं और दूसरों को भी अलर्ट करती हूं। दूसरी ओर आयशा की तारीफ करते हुए त्रिधा ने कहा कि उसकी ऊर्जा सैट पर सबको प्रेरित करती है। बता दें कि आयशा खान इन दिनों फिल्म 'धुरंधर' के हिट आइटम सॉन्ग 'शरारत' से धमाल मचा रही है। त्रिधा का यह बयान एक बार फिर से दिखाता है कि ग्लैमर की दुनिया के पीछे कितनी असुरक्षा और चुनौतियां छिपी हैं। 'किस किसको प्यार करूं 2' एक कॉमेडी फिल्म है। पहले 'आश्रम' जैसी वैब सीरीज में बोल्ड रोल किया, अब हंसी-मजाक वाली दुनिया में कदम रखने के बारे में त्रिधा ने बताया कि कॉमेडी रोल चुनने का फैसला रोल के दम पर हुआ। त्रिधा टैलीविजन से बॉलीवुड तक का सफर कर चुकी है। 'आश्रम' में बबीता का रोल उसकी पहचान बन गया।

विक्की कौशल की हो सकती है फिल्म 'धुरंधर 2' में एंट्री

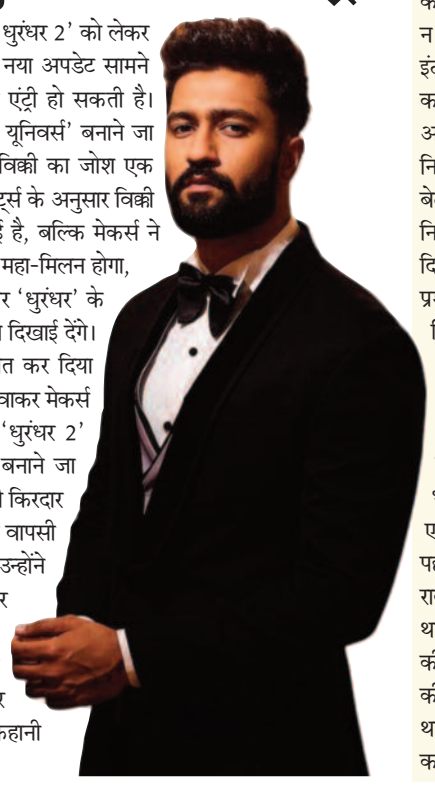

रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर चर्च में हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में विक्की कौशल की एंट्री हो सकती है। निर्देशक आदित्य धर एक ऐसा 'धुरंधर यूनिवर्स' बनाने जा रहे हैं, जहां अक्षय का अनुभव और विक्की का जोश एक साथ परदे पर आग लगाने वाला है। रिपोर्ट्स के अनुसार विक्की की एंट्री अक्षय को हटाकर नहीं की गई है, बल्कि मेकर्स ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है। ये एक महा-मिलन होगा, जहां 'उरी' के जांबाज मेजर विहान और 'धुरंधर' के सीनियर अफसर एक ही मिशन पर साथ दिखाई देंगे। एक ओर अक्षय के किरदार को सीमित कर दिया गया है, वहीं फिल्म में विकी की एंट्री करवाकर मेकर्स ने रोमांच और बढ़ा दिया है। निर्देशक 'धुरंधर 2' के साथ एक जोरदार सिनेमाई ब्रह्मांड बनाने जा रहे हैं। विकी फिर अपने सबसे कालजयी किरदार मेजर विहान शेरगिल के रूप में परदे पर वापसी करने वाले हैं। ये वही भूमिका है, जो उन्होंने 'उरी' में निभाई थी। हालांकि 'उरी' और 'धुरंधर 2' के समय में काफी अंतर है, लेकिन निर्देशक ने बड़ी चतुराई से एक ऐसी स्क्रिप्ट तैयार की है, जिसमें मेजर विहान का ट्रैक फिट बैठता है। इसकी कहानी

तब्बू का बार्डर 2 का हिस्सा ना होने का कारण

सीक्वल या फ्रेंचाइज फिल्मों में कई बार पिछली फिल्म के कलाकार होते हैं। ऐसे में बार्डर 2 में अभिनेत्री तब्बू के न होने को लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई सवाल उठे थे। अब इसका जवाब निर्देशक जेपी दत्ता की बेटी और बार्डर 2 की निर्माता निधि दत्ता ने दिया है। बार्डर 2 के प्रमोशन के दौरान निधि ने कहा कि ये फिल्म युद्ध से अलग एक लड़ाई पर आधारित है, इसलिए पहले भाग के कुछ ही कलाकार इस फिल्म में काम कर रहे हैं। सनी देओल इस फिल्म में कुलदीप सिंह चांदपुरी की भूमिका नहीं निभा रहे हैं। ऐसे में जाहिर है उनकी पत्नी भी अलग ही होंगी। निधि ने आगे बताया कि यह फिल्म एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसका कारण यह है कि कुछ साल पहले देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत (अब दिवंगत) ने मुझे और मेरे पिता को दिल्ली बुलाया था। उस दौरान उन्होंने हमें कई प्रसिद्ध और गुमनाम नायकों की कहानियां सुनाई थीं। उन नायकों में से चार-पांच नायकों की कहानियां इस फिल्म में शामिल की गई हैं। उन्होंने कहा था कि ये हमारे बलिदानियों और हमारे सैनिकों की कुछ कहानियां हैं। इन्हें जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

ब्लैक कॉफी या ग्रीन टी : वजन घटाने के लिए खाली पेट क्या है बेहतर?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोटापा एक आम लेकिन गंभीर समस्या बन चुका है। बढ़ता वजन न सिर्फ आपकी फिटनेस को प्रभावित करता है, बल्कि कई बीमारियों की वजह भी बन सकता है। ऐसे में लोग तेजी से वजन घटाने के लिए घरेलू और आसान उपाय तलाशते रहते हैं। अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि सुबह खाली पेट ब्लैक कॉफी पीना ज्यादा फायदेमंद है या ग्रीन टी? आइए जानते हैं दोनों के फायदे और नुकसान, ताकि आप अपने लिए सही चुनाव कर सकें।

ब्लैक कॉफी में कैफीन भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। यह फैट बर्निंग प्रक्रिया को एक्टिव करता

है और खासतौर पर वर्कआउट से पहले पी जाए तो ज्यादा कैलोरी जलाने में मदद कर सकती है।

हालांकि, खाली पेट ब्लैक कॉफी हर किसी के लिए सही नहीं होती। कुछ लोगों को इससे एसिडिटी, पेट में जलन, बेचैनी या घबराहट महसूस हो सकती है। इसके अलावा यह शरीर में स्ट्रेस हार्मोन यानी कोर्टिसोल के स्तर को भी बढ़ा

सकती है।

ग्रीन टी क्यों मानी जाती है सुरक्षित?

ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट धीरे लेकिन प्रभावी तरीके से फैट कम करने में मदद करते हैं। यह पेट पर ब्लैक कॉफी की तुलना में हल्की होती है और शरीर को डिटॉक्स करने में भी सहायक मानी जाती है।

हालांकि, इसमें मौजूद टैनिन्स के कारण कुछ लोगों को खाली पेट ग्रीन टी पीने पर मतली या पेट में ऐंठन की शिकायत हो सकती है।

आखिर क्या है बेहतर विकल्प?

विशेषज्ञों के अनुसार सुबह उठते ही सबसे पहले 1-2 गिलास गुनगुना पानी पीना सबसे अच्छा रहता है। इसके लगभग 20-30 मिनट बाद ही चाय या कॉफी का सेवन करें। अगर आप सुबह एक्सरसाइज या वर्कआउट करते हैं, तो ब्लैक कॉफी एक अच्छा प्री-वर्कआउट ड्रिंक हो सकती है। यदि आप वर्कआउट नहीं करते और केवल मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखना चाहते हैं, तो ग्रीन टी ज्यादा सुरक्षित विकल्प मानी जाती है।

सर्दियों में बच्चों को स्वस्थ रखने वाली 4 जरूरी चीजें

ठंड के मौसम में बच्चों को सर्दी-खांसी, जुकाम और कमजोरी जल्दी घेर लेती है। ऐसे समय में सही आहार बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों मानते हैं कि सर्दियों में शरीर की पाचन शक्ति मजबूत होती है, इसलिए पोषणयुक्त भोजन बेहद लाभकारी रहता है।

1. गुड़- गुड़ शरीर में प्राकृतिक गर्मी बनाए रखता है और खून की सफाई में मदद करता है। इसमें मौजूद आयरन बच्चों को एक्टिव और ऊर्जावान बनाए रखता है।

2. खजूर- खजूर ताकत बढ़ाने वाला प्राकृतिक खाद्य पदार्थ है। यह शरीर में गर्माहट लाता है, भूख बढ़ाता है और सर्दियों की थकान दूर करता है।

3. देसी घी- घी बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और दिमागी विकास में सहायक होता है। रोजाना थोड़ी मात्रा में घी देने से लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है।

4. शकरकंद- शकरकंद विटामिन और फाइबर से भरपूर होता है। यह इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने और शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करता है।

चेहरे पर पिंपल के दाग से हैं परेशान? तो अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

चेहरे पर पिंपल ठीक होने के बाद उनके दाग अक्सर लंबे समय तक बने रहते हैं। ये दाग न सिर्फ चेहरे की खूबसूरती को कम करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास पर भी असर डालते हैं। इन्हें छुपाने के लिए लोग महंगे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन कई बार उनसे मनचाहा परिणाम नहीं मिलता। अच्छी बात यह है कि कुछ सरल घरेलू नुस्खों की मदद से आप पिंपल के दाग हल्के कर सकते हैं।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसकी मरम्मत में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण दाग-धब्बों को कम करने में सहायक होते हैं। ताजा एलोवेरा पत्ते से जेल निकालकर सीधे पिंपल के निशानों पर लगाएं। करीब 20-30 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। बेहतर परिणाम के लिए दिन में दो बार इसका उपयोग करें।

नींबू का रस

नींबू में विटामिन ष्ट भरपूर मात्रा

में पाया जाता है, जो त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। रुई की सहायता से नींबू का रस दाग वाली जगह पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो नींबू के रस में थोड़ा पानी या शहद मिलाकर लगाएं। ध्यान रखें, इसे लगाने के बाद धूप में जाने से बचें।

शहद और दालचीनी का मिश्रण

शहद त्वचा को पोषण और नमी देता है, जबकि दालचीनी दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करती है। दो चम्मच शहद में आधा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर लगाकर 10 मिनट तक छोड़ दें, फिर हल्के हाथों से धो लें।

आलू का रस

आलू में प्राकृतिक तत्व होते हैं जो त्वचा की पिगमेंटेशन को कम करने में सहायक माने जाते हैं। आलू को कद्दूकस कर उसका रस निकालें और चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से दाग धीरे-धीरे हल्के हो सकते हैं।

इन घरेलू उपायों को अपनाने के साथ-साथ संतुलित आहार और पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। अगर दाग ज्यादा गहरे हों या समस्या बनी रहे, तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

तीन मिनट की परफॉर्मेंस के लिए करीब 3 करोड़ रुपये चार्ज करने वाली उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला ने 2013 में फिल्म सिंह साब द ग्रेट से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, हेट स्टोरी 4 और पागलपंती जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्मों के साथ-साथ उन्हें असली पहचान म्यूजिक वीडियोज से मिली, जिनमें लव डोज, गल बन गई और डूब गए जैसे गाने शामिल हैं। उर्वशी की सोशल मीडिया पर जबरदस्त पकड़ है और इंस्टाग्राम पर उनके करीब 7 करोड़ फॉलोअर्स हैं। हाल ही में खबर है कि उन्होंने फिल्म डाकू महाराज में सिर्फ तीन मिनट की परफॉर्मेंस के लिए करीब 3 करोड़ रुपये चार्ज किए। इसके अलावा तेलुगु फिल्म स्कंदा के आइटम सॉन्ग के लिए भी उन्हें इतनी ही फीस मिली थी।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स हुई सेवानिवृत्त

27 साल, 3 मिशन और अंतरिक्ष में गुजारे 608 दिन

अमेरिका (सत्ता संदेश)- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर महीनों तक फंसे रहे दो अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल नासा की सुनीता विलियम्स सेवानिवृत्त हो गई हैं। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को बताया कि भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सेवानिवृत्ति का आदेश पिछले साल दिसंबर के अंत से प्रभावी हो गया। बोइंग की कैप्सूल परीक्षण उड़ान के दौरान विलियम्स के साथ अंतरिक्ष में फंसे रहे बुच विलमोर ने पिछले साल गर्मियों में नासा छोड़ दिया था। विलियम्स और विलमोर को 2024 में अंतरिक्ष स्टेशन भेजा गया था और वे बोइंग के नए 'स्टारलाइनर' कैप्सूल से उड़ान भरने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री थे। उनका मिशन केवल एक सप्ताह का था लेकिन स्टारलाइनर में आई दिक्कतों के कारण यह नौ महीने से भी लंबा खिंच गया। वे अंतत: पिछले साल मार्च में पृथ्वी पर लौटे। नौसेना की पूर्व कप्तान विलियम्स (60) ने नासा में 27 वर्षों से अधिक समय तक सेवाएं दीं और अंतरिक्ष स्टेशन के तीन मिशन में कुल 608 दिन अंतरिक्ष में गुजारे। उन्होंने एक महिला द्वारा सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में चहलकदमी (स्पेसवॉक) का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में चहलकदमी की। नासा के नए प्रशासक जैरेड आइजेकमैन ने विलियम्स को अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी बताया। उन्होंने एक बयान में कहा कि आपकी इस शानदार सेवानिवृत्ति पर बधाई। बोइंग का अगला स्टारलाइनर मिशन अंतरिक्ष स्टेशन तक मनुष्यों को नहीं, केवल माल को लेकर जाएगा। नासा यह सुनिश्चित करना चाहता है कि किसी को भी कैप्सूल से अंतरिक्ष में भेजने से पहले इसके थ्रस्टर और अन्य सभी समस्याओं को सुलझा लिए जाएं। यह परीक्षण उड़ान इस वर्ष बाद में होगी। विलियम्स के पिता दीपक पांड्या जाने माने तंत्रिका विज्ञानी थे और वह मूल रूप से भारत के गुजरात के रहने वाले थे तथा उनकी मां उर्सुलीन बोनी पांड्या स्लोवेनियाई-अमेरिकी मूल की थीं।

सिंगापुर के एयर बेस में बम की धमकी, रेडिट पोस्ट से मचा हड़कंप

सिंगापुर - सिंगापुर के 'पाया लेबर एयर बेस' में बम की धमकी मिली जिसे जांच के बाद फर्जी पाया गया। मीडिया में प्रसारित खबरों में यह जानकारी दी गई। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' समाचार पत्र ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि 'रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स' को देश के सबसे बड़े 'एयर बेस' में बम विस्फोट किए जाने की एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए शुक्रवार को धमकी दी गई। उन्होंने बताया कि धमकी मिलने के बाद एहतियातन कदम उठाए गए और 'एयर बेस' में जांच की गई। प्रवक्ता ने बताया कि जांच के बाद कोई बम नहीं मिला।

फर्जी बम धमकी 'रेडिट' के उस उप-मंच पर पोस्ट की गई थी, जो 'राष्ट्रीय सेवा' (सिंगापुर के युवाओं के लिए सशस्त्र बल या पुलिस में अनिवार्य सेवा) से जुड़ा है। पोस्ट में धमकी दी गई थी कि एक तय समय और तारीख पर एयर बेस के भीतर बम विस्फोट किया जाएगा। सिंगापुर तीन से आठ फरवरी के बीच रक्षा-केंद्रित एयर शो की मेजबानी करने वाला है। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम भी कई प्रसिद्ध सैन्य एरोबेटिक टीम के साथ कदम से कदम मिलाते हुए 'सिंगापुर एयरशो 2026' में उड़ान प्रदर्शन करेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस फर्जी धमकी के मामले में जांच जारी है और इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कनाडा द्वारा गोल्डन डोम का विरोध करने पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन- अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर 'गोल्डन डोम' बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिए कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को 'खा सकता' है। ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर साझा किए गए एक पोस्ट में कहा, 'कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा। इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जाएगा।'

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमरीका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने भाषण में कहा था कि 'नियम-आधारित व्यवस्था' लुप्त होती जा रही है। उन्होंने यहां चीन के

साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था। इस बीच, ट्रंप ने दावोस में अपने भाषण के दौरान कहा था, 'कनाडा अमरीका की वजह से ज़िंदा है। यह याद रखना, मार्क, अगली बार जब तुम बयान दो।' उन्होंने यह भी कहा था कि कनाडा को अमेरिका से 'बहुत सारी मुफ्त चीज़ें÷ मिलती हैं और उन्हें अमेरिकी सुरक्षा सुरक्षा के लिये 'शुक्रगुजार होना चाहिए।' इसके जवाब में कनाडा की सरकार ने 'बंटी हुई और अनिश्चित दुनिया' के बीच साझेदारी में विविधता लाने और आर्थिक मज़बूती स्थापित करने की ज़रूरत का हवाला देते हुए अपने व्यापार फैसलों का बचाव किया था।

अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ ठंड और बर्फबारी, एयर इंडिया ने 2 दिन के लिए सभी उड़ानें कीं रद्द

नई दिल्ली- अमेरिका में इन दिनों ईस्ट कोस्ट में रिकॉर्ड तोड़ ठंड और भारी बर्फबारी के चलते एयर इंडिया ने बड़ा कदम उठाया है। एयरलाइन ने सुरक्षा कारणों से 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से संचालित सभी सभी उड़ानों को रद्द कर दिया है। खबरों की माने तो इन दिनों अमेरिका में ऐतिहासिक विंटर स्टॉर्म के चलते लाखों लोग प्रभावित होने की आशंका है।

एयरलाइन ने यह फैसला यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। एयर इंडिया ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि अमेरिका के ईस्ट कोस्ट, खासतौर पर न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह से सोमवार तक भारी बर्फबारी और तेज ठंड की संभावना है। इस दौरान उड़ान संचालन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

यात्री कस्टमर सपोर्ट से करें संपर्क- एयरलाइन ने आगे कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा, सुविधा और भलाई को देखते हुए 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से सभी उड़ानें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फ्लाइट से जुड़ी जानकारी के लिए एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट और कस्टमर सपोर्ट से संपर्क करके जानकारी लेते रहें।

जुबिन के परिवार ने मोदी को लिखा पत्र, गायक की मौत मामले में त्वरित सुनवाई की मांग

नई दिल्ली- असम के सांस्कृतिक प्रतीक जुबिन गर्ग के परिवार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर पिछले साल सितंबर में सिंगापुर में उनकी मौत के संबंध में त्वरित सुनवाई और उचित राजनयिक-कानूनी कार्रवाई के लिए एक विशेष अदालत गठित करने का अनुरोध किया। परिवार ने यह भी अनुरोध किया कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक मामले के किसी भी आरोपी को जमानत न दी जाए।

भारतीय मूल के शख्स ने पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर की हत्या, बच्चों ने बुलाई पुलिस

लॉरेंसविले- अमरीका के जॉर्जिया राज्य के ग्विनेट काउंटी में एक दिल दहला देने वाली घटना में पारिवारिक विवाद के बाद हुई गोलीबारी में भारतीय मूल के चार युवाओं की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार तड़के हुई इस वारदात के समय घर के भीतर तीन बच्चे भी मौजूद थे, जिन्होंने अलमारी के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी। फॉक्स मीडिया ने बताया कि ग्विनेट काउंटी पुलिस विभाग को तड़के लगभग 2:30 बजे ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित एक घर में गोलीबारी की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर अधिकारियों को घर के अंदर चार वयस्कों के शव मिले, जिन्हें गोलियां लगी थीं। पुलिस ने मृतकों की पहचान विजय कुमार की पत्नी मीमू डोगरा (43), गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) के रूप में की है।

जांचकर्ताओं के अनुसार मुख्य आरोपी विजय कुमार (51) का पत्नी मीमू डोगरा के साथ अटलांटा स्थित उनके घर पर विवाद हुआ था। इसके बाद वे अपने 12 वर्षीय बच्चे के साथ लॉरेंसविले स्थित इस घर में पहुंचे, जहां उनके रिश्तेदार गौरव, निधि और हरीश दो अन्य बच्चों (उम्र सात और दस वर्ष) के साथ रहते थे। वहां पहुंचने के बाद भी विवाद नहीं थमा और विजय ने गोलीबारी शुरू कर दी। गोलियां चलते देख तीनों बच्चे अपनी जान बचाने के लिए एक अलमारी के पीछे छिप गए और सबसे बड़े 12 वर्षीय बच्चे ने 911 पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी। जब पुलिस पहुंची, तो उसने पाया कि आरोपी का वाहन वहीं मौजूद था। पुलिस ने श्वान दल की मदद से आरोपी को पास के जंगल से बिना किसी विरोध के उसे गिरफ्तार कर लिया। गनीमत रही इस घटना में बच्चों को कोई चोट नहीं आई और उन्हें परिवार के एक सदस्य को सौंप दिया गया है।

सुनिधि चौहान के लाइव शो को लेकर दिशा-निर्देश, नशे को बढ़ावा देने वाले गीतों पर रोक

गोवा - प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान के गोवा में होने वाले लाइव कॉन्सर्ट को लेकर दक्षिण गोवा जिला बाल आयोग ने एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें आयोजकों और कलाकार से ऐसे गीत न गाने को कहा गया है जो नशा, तंबाकू या शराब को बढ़ावा देते हों।

यह कदम चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडित राव की शिकायत के आधार पर उठाया गया है। आयोग ने बच्चों की मानसिकता और सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए यह सलाह जारी की है।

सुनिधि चौहान का 'द अल्टीमेट सुनिधि लाइव' कॉन्सर्ट 25 जनवरी को गोवा के 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में प्रस्तावित है।

ग्रीनलैंड को लेकर आया पुतिन का बयान, बोले- 'हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को पाने की कोशिशों ने एक ओर जहां डेनमार्क को असमंजस में डाल दिया है और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की एकजुटता को भी झकझोर दिया है वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

ग्रीनलैंड विवाद पर पुतिन का स्पष्ट रुख- पुतिन ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, ''इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है कि ग्रीनलैंड के साथ क्या होता है।'' उनका यह बयान टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। रूस के राष्ट्रपति ने कहा, ''यूं तो डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को हमेशा एक उपनिवेश की तरह माना है और उसके प्रति क्रूर नहीं, तो काफी कठोर रवैया तो अपनाया ही है लेकिन यह बिल्कुल अलग मामला है और मुझे संदेह है कि अभी किसी की इसमें रुचि होगी।''

पुतिन ने कहा, ''इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे लगता है कि वे इसे आपस में सुलझा लेंगे।'' उन्होंने जिक्र किया कि 1917 में डेनमार्क ने इस द्वीप समूह को अमेरिका को बेच दिया था। पुतिन ने इस बात का भी जिक्र किया कि 1867 में रूस ने अलास्का को 72 लाख अमेरिकी डॉलर में अमेरिका को बेच दिया था।

भारत को अमेरिकी टैरिफ में राहत मिलने के संकेत, अतिरिक्त शुल्क हट सकता है

वॉशिंगटन- भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंधों को लेकर सकारात्मक संकेत सामने आए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिया है कि भारतीय उत्पादों पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आने वाले समय में हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद में कमी आई है, जिसे अमेरिका अपनी नीति की सफलता मान रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और हालात अनुकूल रहने पर भारत को टैरिफ में राहत मिल सकती है।

मेलानिया ट्रंप पर बनी फिल्म का व्हाइट हाउस में प्राइवेट प्रीमियर, 30 जनवरी को होगी ग्लोबल रिलीज

वॉशिंगटन- अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप अपने जीवन पर बनी नई डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मेलानिया' की व्हाइट हाउस में शनिवार को एक निजी स्क्रीनिंग की मेजबानी करेंगी। यह फिल्म राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण से पहले के 20 दिनों की कहानी को पर्दे पर उतारती है।

फिल्म के सलाहकार और एजेंट मार्क बेकमैन के अनुसार, यह पहली बार होगा जब राष्ट्रपति ट्रंप, उनका परिवार और करीबी दोस्त इस फिल्म को पूरी तरह देखेंगे। ÷मेलानिया÷ का वैश्विक प्रीमियर 30 जनवरी को निर्धारित है।

यह फिल्म फर्स्ट लेडी के जीवन की पर्दे के पीछे की दुर्लभ झलक पेश करती है। ट्रेलर की शुरुआत जनवरी 2025 के शपथ ग्रहण दिवस से होती है, जिसमें मेलानिया ट्रंप को अमेरिकी कैपिटल में समारोह के दौरान नेवी ब्लू रंग की चौड़ी टोपी पहने दिखाया गया है। फिल्म में उन्हें राष्ट्रपति की सलाहकार की भूमिका में भी दिखाया गया है, जहां वह उद्घाटन भाषण में 'शांतिदूत और एकजुट करने वाले नेता' जैसे शब्दों पर जोर देने की सलाह देती नजर आती हैं।

राजस्थान की जयपुर जेल में शुरू हुई दो हत्यारों की लव स्टोरी बनी चर्चा का विषय

नेशनल डेस्क (सत्ता संदेश)- राजस्थान की जयपुर जेल से एक चौंकाने वाली और चर्चा में रहने वाली खबर सामने आई है। यहां आजीवन कारावास की सजा काट रहे दो कैदी अब शादी करने जा रहे हैं। खास बात यह है कि दोनों ही हत्या के मामलों में दोषी हैं। हनीट्रैप और हत्या के मामले में सजा काट रही प्रिया सेठ को उसी जेल में बंद एक अन्य हत्या के आरोपी हनुमान प्रसाद से प्यार हो गया। अब दोनों 23 जनवरी को अलवर में शादी करने वाले हैं। इसके लिए राजस्थान हाई कोर्ट ने 15 दिन की पैरोल मंजूर की है। प्रिया सेठ और हनुमान प्रसाद दोनों जयपुर ओपन जेल में बंद हैं। यहीं दोनों की मुलाकात हुई और धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ीं। शादी की अनुमति के लिए दोनों की ओर से वकील विश्राम प्रजापत ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद जिला पैरोल एडवाइजरी कमेटी ने प्रिया सेठ की अर्जी को स्वीकार कर लिया और दोनों को पैरोल दे दी गई।

जानिए कौन है प्रिया सेठ?

प्रिया सेठ जयपुर के चर्चित दुष्यंत शर्मा मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रही है। यह मामला हनीट्रैप, लूट और हत्या से जुड़ा हुआ है। प्रिया ने अपने पूर्व प्रेमी दीक्षांत

बॉयफ्रैंड की हत्या करने वाली प्रिया अब 5 कत्ल के आरोपी से करेगी शादी

कामरा का कर्ज चुकाने के लिए झोटवाड़ा निवासी युवक दुष्यंत शर्मा को प्रेम जाल में फंसाया। उसने दुष्यंत को अपने फ्लैट पर मिलने बुलाया, जहां उसका बॉयफ्रेंड दीक्षांत और एक अन्य साथी पहले से मौजूद थे। तीनों ने मिलकर दुष्यंत का अपहरण कर 10 लाख रुपये लूटने की योजना बनाई, लेकिन बात नहीं बन पाई। इस दौरान उन्होंने दुष्यंत से तीन लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। पकड़े जाने के डर से तीनों ने मिलकर दुष्यंत की गला घोंटकर हत्या कर दी। दुष्यंत की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रिया को गिरफ्तार किया था। 3 मई 2018 से प्रिया जयपुर जेल में बंद है और आजीवन कारावास की सजा काट रही है। अब जो खबर सामने आई है, वह यह कि प्रिया अपने पुराने बॉयफ्रेंड दीक्षांत से नहीं, बल्कि नए बॉयफ्रेंड हनुमान प्रसाद से शादी करने जा रही है।

ईरान में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में 4,029 लोगों की मौत

ईरान -ईरान में देशभर में जारी विरोध प्रदर्शनों में शामिल प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई में कम से कम 4,029 लोगों की मौत हो गई है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी' ने यह आंकड़े जारी करते हुए कहा कि कार्रवाई के दौरान 26,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी' के मुताबिक मृतकों में 3,786 प्रदर्शनकारी, 180 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं वहीं इन कार्रवाई में 28 बच्चे और 35 ऐसे लोग भी मारे गए जो किसी भी प्रदर्शन में भाग नहीं ले रहे थे।

दावोस में इकॉनोमिक फोरम का न्योता खामनेई से क्यों लिया वापस

एजेंसी इससे पहले ईरान में हुए अशांति के दौरों में भी सटीक जानकारी देती रही है और मौत की संख्या की पुष्टि के लिए वह ज़मीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के नेटवर्क पर निर्भर करती है। आशंका है कि मारे गए लोगों की संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। हालांकि, एपी मौत के इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची को स्विट्ज़रलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करना था लेकिन देश में जारी अराजकता भरे माहौल के कारण ईरान को भेजा गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है।

अमृतसर एयरपोर्ट पर ड्रग्स साजिश का पर्दाफाश

नशे की करोड़ों की खेप सहित मुक्तसर साहिब की युवती काबू

अमृतसर (सत्ता संदेश)-श्री गुरु राम दास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सुरक्षा एजैंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। थाईलैंड से अमृतसर पहुंची एक युवती को एन.सी.बी. (नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) और ए.एन.टी.एफ. (एंटी-नार्कोटिक्स टॉस्क फोर्स) की संयुक्त टीम ने 1.5 किलोग्राम से ज्यादा संदिग्ध नशीले पदार्थ के साथ दबोच लिया। गिरफ्तार युवती की पहचान आरती कौर के रूप में हुई है, जो मुक्तसर साहिब जिले की रहने वाली है। जानकारी के अनुसार वह 10 जनवरी को अमृतसर से थाईलैंड गई थी और अपने हैंडलर के निर्देश पर बड़ी खेप लेकर वापस लौटी थी। खुफिया सूचना के आधार पर एयरपोर्ट पर उतरते ही उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके सामान से डेढ़ किलो से अधिक नशीला पदार्थ (संभावित कोकीन या अन्य

प्रतिबंधित ड्रग्स) बरामद हुआ। इस खेप की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए आंकी जा रही है। जांचकर्त्ताओं का मानना है कि यह अमृतसर एयरपोर्ट के रास्ते थाईलैंड से भारत में ड्रग्स लाने का पहला ज्ञात मामला हो सकता है, हालांकि हाल के महीनों में दक्षिण-पूर्व एशिया से ऐसी तस्करी के प्रयास बढ़े हैं। एन.सी.बी. के अनुसार, युवती को एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ जारी है, जिसमें उसके हैंडलर, अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में बड़े खुलासे होने की संभावना है।

अमेरिका में 5 साल के बच्चे को हिरासत में लेने पर मचा बवाल, कमला हैरिस बोलीं- यह एक बच्चा है...

वॉशिंगटन- - अमेरिका के मिनेसोटा राज्य से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने मानवाधिकारों और इमिग्रेशन सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक प्री-स्कूल से घर लौट रहे महज़ 5 साल के बच्चे को उसके पिता के साथ फेडरल एजेंसियों ने हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब बच्चा स्कूल से निकलकर अपने पिता के साथ घर जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना कोलंबिया हाइट्स इलाके की है, जहां फेडरल एजेंटों ने बच्चे और उसके पिता को पकड़कर टेक्सास के एक डिटेंशन सेंटर भेज दिया। बच्चा उन चार नाबालिगों में शामिल है जिन्हें इस कार्रवाई के दौरान कस्टडी में लिया गया, जिनमें दो 17 वर्षीय किशोर और एक 10 साल का बच्चा भी शामिल है।

भारी हथियारों के बीच मासूम की तस्वीरें वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों ने लोगों को झकझोर दिया है। तस्वीरों में हथियारों से लैस

फेडरल एजेंट एक छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाते दिख रहे हैं।

बच्चे ने नीली टोपी पहन रखी है और उसके कंधे पर स्पाइडर-मैन का स्कूल बैग लटका हुआ है। इन तस्वीरों के सामने आते ही लोगों में गुस्सा और दुख दोनों देखने को मिला।

परिवार के वकील मार्क प्रोकोश ने बताया कि बच्चा और उसके पिता अमेरिका में कानूनी रूप से रिफ्यूजी एप्लीकेंट के तौर पर रह रहे थे। इसके बावजूद उन्हें हिरासत में लेना कानून और इंसानियत दोनों पर सवाल खड़े करता है।

जगतार सिंह हवारा की पैरोल याचिका पर एक महीने में निर्णय के निर्देश

नई दिल्ली- दिल्ली हाई कोर्ट ने भाई जगतार सिंह हवारा की पैरोल याचिका पर महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए कहा है कि मंडोली स्थित केंद्रीय जेल नंबर 15 के अधीक्षक चार सप्ताह के भीतर इस पर फैसला लें। यह याचिका 11 जून 2025 को जेल प्रशासन को सौंपी गई थी। अदालत ने निर्देश दिया कि निर्णय की जानकारी हवारा और उनके वकीलों को दी जाए। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह सहित अन्य वकील उनकी ओर से पैरवी कर रहे हैं।

घुटने की समस्या के कारण लिया सायना नेहवाल ने प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास

लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ने पॉडकास्ट में की आधिकारिक पुष्टि

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-ओलंपिक मैडलिस्ट साइना नेहवाल, जो भारत की सबसे काबिल बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक हैं, ने घुटने की पुरानी समस्या के कारण लगभग दो साल तक बाहर रहने के बाद प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास लेने की पुष्टि की है। लंदन 2012 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना ने आखिरी बार 2023 में सिंगापुर ओपन में मुकाबला खेला था। सुभोजित घोष के होस्ट किए गए पॉडकास्ट में उन्होंने अपने फैसले की आधिकारिक घोषणा की। साइना ने कहा कि वह कुछ समय पहले ही खेल से दूर हो चुकी थीं और उन्हें तुरंत सार्वजनिक घोषणा करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मैंने दो साल पहले खेलना बंद कर दिया था। मुझे लगा कि मैं अपनी शर्तों पर खेल में आई और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा, इसलिए इसकी घोषणा जरूरी नहीं थी। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने बताया कि उनके घुटनों में कार्टिलेज का गंभीर क्षरण हो चुका है और आर्थराइटिस की समस्या के कारण लगातार हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग संभव नहीं रही। उन्होंने कहा कि पहले जहां 8 से 9 घंटे की ट्रेनिंग होती थी, वहीं अब घुटना एक-दो घंटे में ही जवाब देने लगा था। साइना नेहवाल को भारतीय बैडमिंटन की ट्रेलब्लेजर माना जाता है। वह लंदन ओलंपिक में महिला सिंगल्स का कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। अपने कैरियर में उन्होंने 24 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते, 2015 में विश्व नंबर एक बनीं और 2014 उबर कप जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्ज और एशियन चैंपियनशिप में भी पदक हासिल किए।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा

बीसीबी ने डेडलाइन तक नहीं दिया जवाब, आईसीसी ने अब स्कॉटिश बोर्ड से किया संपर्क

दुबई - आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की मुश्किलें अब और बढ़ती दिख रही हैं और अब उसका टूर्नामेंट से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। आईसीसी इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक घोषणा कर सकता है। उसने स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड से संपर्क कर लिया है और वर्ल्ड कप के लिए तैयार रहने को कहा है।

भारत में मैच खेलने को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी के फैसले को चुनौती दी थी और डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन कमेटी में अपील दायर की थी, लेकिन अब इस पर कोई सुनवाई नहीं होगी, क्योंकि यह मामला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया गया है।

खबरों के अनुसार, बीसीबी ने सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी, लेकिन नियमों के चलते उसे राहत मिलने की संभावना कम हो गई है। यदि यह मामला भी खारिज होता है, तो अंतिम विकल्प कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट के पास होगा।

आईसीसी की ओर से दी गई 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर बांग्लादेश की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया, जिससे स्थिति और साफ हो गई है। इससे पहले बांग्लादेश बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार कर दिया था, लेकिन अतिरिक्त समय मिलने के बावजूद जवाब न देने से अब आईसीसी के पास बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से बाहर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

बांग्लादेश-हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन....

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आफिफ नजरुल ने गुरुवार को ढाका में राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ बैठक के बाद कहा कि हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है।

सबालेंका ने पहले नंबर पर रहते हुए 25वीं जीत दर्ज की

मेलबर्न-दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीसरे राउंड में जगह बना ली है। टॉप सीड सबालेंका ने दूसरे राउंड में चीन की बाई झुओक्सुआन को 6-3, 6-1 से हराया। इस जीत के साथ ही सबालेंका ने नंबर-1 रहते हुए 25 जीत पूरी कर ली हैं। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली तीसरी सबसे तेज खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 28 मैचों में ऐसा किया। उनसे आगे सेरेना (26 मैच) और इगा स्वातेक (27 मैच) हैं। सबालेंका पहली बार सितंबर 2023 में नंबर-1 बनी थीं और अक्टूबर 2024 से लगातार शीर्ष रैंक पर काबिज हैं। सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पिछले 23 मैचों में से 22 जीते हैं।

* नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज ने जर्मनी के यानिक हानफमैन को 7-6, 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे राउंड में प्रवेश किया। उनका टूर्नामेंट में जीत-हार का रिकॉर्ड 13-4 हो गया है।

* तीसरी सीड कोको गॉफ ने दूसरे राउंड में ओल्गा डैनिलोविच को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे दौर में अपना अजेय रिकॉर्ड 14-0 तक बढ़ा दिया। वहीं, ब्रिटेन की एमा राडुकानू का अभियान दूसरे राउंड में खत्म हो गया।

10वीं कक्षा की छात्रा प्रीति ने 69वें नेशनल स्कूल गेम्स की ट्रैक साइक्लिंग में की शानदार जीत दर्ज

लुधियाना (सत्ता संदेश) - कृपा निधान पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लुधियाना को अपनी कक्षा 10वीं की होनहार छात्रा प्रीति की शानदार उपलब्धि पर अत्यंत गर्व है। प्रीति ने 69वें नेशनल स्कूल गेम्स में ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल एजुकेशन एंड लिटरेसी डिपार्टमेंट, झारखंड सरकार द्वारा स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में किया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान प्रीति अब तक 7 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक जीतकर विद्यालय, लुधियाना और पंजाब का नाम रोशन कर चुकी हैं।

विश्व मानव रूहानी केंद्र द्वारा संचालित कृपा निधान पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, संत बलजीत सिंह जी की प्रेरणा से विद्यालय में स्पोर्ट्स के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने वाली है। इस दौरान भारतीय महिला टीम वहां तीन टी20, तीन ओडीआई और एक टेस्ट मैच खेलेगी। भारत का यह दौरा फरवरी के मध्य में शुरू होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 15 फरवरी को सिडनी में होगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। इस दौरे के दौरान भारतीय टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में रहेगी जबकि स्मृति मंधाना को उप कप्तान बनाया गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-

भारत की टेस्ट टीम टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा और सायली सतघरे।

ओडीआई टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काश्वी गौतम, अमनजोत कौर, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल।

टी20 टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, भारती फुलमाली और श्रेयांका पाटिल।

भारत-ऑस्ट्रेलिया दौरे का शेड्यूल

15 फरवरी पहला टी20, सिडनी
19 फरवरी दूसरा टी20, कैनबरा
21 फरवरी तीसरा टी20, एडिलेड
24 फरवरी पहला ओडीआई, ब्रिस्बेन
27 फरवरी दूसरा ओडीआई, होबार्ट
01 मार्च तीसरा ओडीआई, होबार्ट
टेस्ट मैच 6 मार्च से, पर्थ

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन में भारत की चुनौती समाप्त

जकार्ता- पी.वी. सिंधु और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले हारकर बाहर हो गए, जिससे इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंग जियाओ से हार गईं। सिंधु को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन को थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसारन से कड़ी चुनौती

मिली। लक्ष्य को 18-21, 20-22 से हार झेलनी पड़ी। 46 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य जीत के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन निर्णायक क्षणों में चूक गए।

यह लक्ष्य का इस सत्र में पहला इंडोनेशिया मास्टर्स था। इससे पहले उन्होंने मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 में भी हिस्सा लिया था, लेकिन वहां भी वह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सके थे।

पुरुष युगल में सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी है। ऐसे में भारत की पूरी चुनौती समाप्त हो गई।

आम आदमी पार्टी की सरकार का आखिरी वर्ष उतार-चढ़ाव भरा!

पंजाब डेस्क (सत्ता संदेश)- पंजाब में इतिहास अपने आप को दोहराता हुआ दिखाई दे रहा है। पूर्व कांग्रेस सरकार के समय जब राज्य की बागडोर कैप्टन अमरेंद्र सिंह के हाथों में थी तो उनका अंतिम वर्ष भारी उतार-चढ़ाव वाला रहा था। उन्हें कांग्रेस में बगावत के कारण मुख्यमंत्री पद छोडना पड़ा था और उसके बाद कांग्रेस की आपसी खींचतान के बीच चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री का पद सौंपा गया था। इस अंदरूनी लड़ाई-झगड़े के कारण अंतत: कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी और उसके बाद आम आदमी पार्टी को लोगों ने राज्य की बागडोर सौंप दी थी। अब मौजूदा 'आप' सरकार का भी अंतिम वर्ष शुरू होने जा रहा है। मार्च, 2022 में सत्ता में आई आम आदमी पार्टी की सरकार का मार्च, 2026 में अंतिम वर्ष शुरू हो जाएगा। इसलिए सबकी निगाहें इस समय 'आप' सरकार के अंतिम बजट के ऊपर टिकी रहेंगी। बजट के बाद परिस्थितियां तेजी से करवट लेंगी। अगर पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल पर दृष्टि डाली जाए तो अंतिम वर्ष आते-आते कांग्रेस विधायकों के अंदर भारी निराशा का आलम भर गया था

और उन्हें एहसास हो गया था कि वे पुन: सत्ता में नहीं आएंगे। इसी तरह की भावना अब 'आप' विधायकों के अंदर देखी जा रही है। दबी जुबान में वे महसूस करते हैं कि सरकार विरोधी लहर जोर पकड़ गई है। उनके पास जनता को दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। 'आप' विधायक महसूस करते हैं कि उनकी न तो प्रशासन और न ही पुलिस के अंदर सुनवाई है। सरकार के अंदर भी उन्हें किनारे लगाकर रखा गया है। ऐसी स्थिति में वह अपने समर्थकों के भी काम अब तक करवा नहीं सके हैं। यहां तक कि अगर किसी विधायक ने अध्यापक की बदली भी करवानी होती है तो भी उसे दिल्ली दरबार तक चक्कर काटने पड़ते है, परन्तु फिर भी वह बदली करवाने में कामयाब नहीं हो पाता है। यह निराशा की भावना आने वाले समय में उग्र रूप धारण कर सकती है। इसका आभास आम आदमी को लीडरशिप को होना शुरू हो गया है।

लक्ष्मी लेडीज़ क्लब में फ्री मेडिकल कैंप लगाया

फिक्की फ्लो की चेयरपर्सन श्वेता जिंदल और पद्मश्री रजनी बैक्टर की रही विशेष उपस्थिति

लुधियाना (सत्ता संदेश) - प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, होलिस्टिक वेलनेस और हेल्थ अवेयरनेस को बढ़ावा देने के मकसद से, लक्ष्मी लेडीज़ क्लब, लुधियाना में एक फ्री मेडिकल कैंप सफलतापूर्वक लगाया गया।

यह कैंप संजीवनी काया शोधन संस्थान, गोहाना ने लक्ष्मी लेडीज़ क्लब और फिक्की फ्लो लुधियाना के साथ मिलकर लगाया था, जो एक बड़ा होलिस्टिक हेल्थ सेंटर है और योग, नेचुरोपैथी और आयुर्वेद के ज़रिए इलाज के अपने इंटीग्रेटेड तरीके के लिए जाना जाता है।

इस पहल में फ्री मेडिकल कंसल्टेशन, हेल्थ गाइडेंस और लाइफस्टाइल सलाह दी गई, जिसमें आयुर्वेदिक हीलिंग प्रैक्टिस के साथ-साथ प्रकृति के पांच तत्वों - सूरज, हवा, पानी, धरती और आग से जुड़े नेचुरल हीलिंग तरीकों पर फोकस किया गया। कैंप को मेंबर्स और गेस्ट्स से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जो होलिस्टिक हेल्थकेयर के प्रति बढ़ती अवेयरनेस और दिलचस्पी को दिखाता है।

फिक्की फ्लो लुधियाना की चेयरपर्सन सुश्री श्वेता जिंदल और बैक्सटर की फूड स्पेशलिटीज़ और क्रीमिका ग्रुप ऑफ कंपनीज़ की फ़ाउंडर सुश्री पद्मश्री रजनी बैक्टर ने एक खास इंट्रोडक्शन दिया। दोनों ने प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल और कम्युनिटी द्वारा चलाए जाने वाले वेलनेस प्रोग्राम के महत्व पर ज़ोर दिया।

ऑर्गनाइज़र्स ने सुश्री रजनी बैक्टर की कीमती सलाह को माना, जिनके गाइडेंस और सपोर्ट ने दोनों ऑर्गनाइज़ेशन्स को एक साथ लाने और इवेंट को मुमकिन बनाने में अहम भूमिका निभाई। कम्युनिटी वेलफेयर और सस्टेनेबल हेल्थ पहलों के लिए उनके विज़न ने कोलेबोरेशन के लिए एक मज़बूत प्रेरणा का काम किया।

डॉ. कविता की लीडरशिप में मेडिकल कैंप को अच्छे से कोऑर्डिनेट किया गया, जिन्होंने डॉक्टरों की टीम को मैनेज किया और इवेंट को आसानी से चलाने की देखरेख की। उनके प्रोफेशनल गाइडेंस ने सभी पार्टिसिपेंट्स के लिए पर्सनलाइज़्ड कंसल्टेशन और एक आसान अनुभव पक्का किया।

इवेंट एक नेटवर्किंग लंच के साथ खत्म हुआ, जिससे मेंबर्स, ऑर्गेनाइज़र्स और मेडिकल प्रोफेशनल्स के बीच बातचीत का मौका मिला।

इस मिलकर किए गए काम ने संजीवनी काया शोधन संस्थान, लक्ष्मी लेडीज़ क्लब और फिक्की फ्लो लुधियाना के होलिस्टिक हेल्थ, प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और कम्युनिटी वेल-बीइंग को बढ़ावा देने के कमिटमेंट को फिर से पक्का किया।

फायरिंग मामले में अभिनेता कमाल आर. खान गिरफ्तार

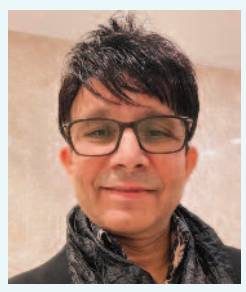

'केआरके' के नाम से मशहूर अभिनेता कमाल राशिद खान को मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी में एक आवासीय इमारत पर हुई गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, कमाल आर. खान को शुक्रवार देर रात पूछताछ के लिए ओशिवारा पुलिस थाने लाया गया था। पूछताछ के दौरान अभिनेता ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने लाइसेंसी हथियार से दो गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने बताया कि यह घटना 18 जनवरी को अंधेरी के ओशिवारा इलाके स्थित नालंदा सोसाइटी में हुई थी। जांच में सामने आया कि सोसाइटी परिसर की ओर दो गोलियां चलाई गई थीं, जिनमें से एक गोली दूसरी मंजिल और दूसरी गोली चौथी मंजिल पर जाकर लगी। जिन फ्लैट्स पर गोलियां लगीं, उनमें से एक फ्लैट एक लेखक-निर्देशक का है, जबकि दूसरा फ्लैट एक मॉडल का बताया जा रहा है।

बच्चों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले सिरप पर लगी पाबंदी

जीरकपुर (सत्ता संदेश)-पंजाब में बच्चों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले 'एलमोंट किड कफ सिरप' को घटिया गुणवत्ता का करार देते हुए फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) पंजाब, ड्रग्स विंग ने इसकी बिक्री, वितरण और उपयोग पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश डिप्टी ड्रग्स कंट्रोलर (1), सी.डी.एस.सी.ओ. (ईस्ट ज़ोन) से प्राप्त जानकारी और सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेटरी, कोलकाता की जांच रिपोर्ट के आधार पर जारी किया गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार एलमोंट-किड (लेवोसेटिरिज़िन डाइहाइड्रोक्लोराइड और मोंटेलुकास्ट सोडियम सिरप) के बैच नंबर एएल-24002, निर्माण तिथि जनवरी 2025 और समाप्ति तिथि दिसंबर 2026 में गंभीर खामियां पाई गई हैं। यह दवा ट्राइड्स रेमेडीज, हाजीपुर (बिहार) द्वारा निर्मित है। लैब जांच के दौरान इस सिरप में एथिलीन ग्लाइकोल की मौजूदगी पाई गई, जिसे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है और जो दवा को असुरक्षित बनाती है। विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि लोकहित को ध्यान में रखते हुए इस उत्पाद पर पंजाब राज्य में तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाता है।

पंजाब में सभी जिलों को जारी हुए सख्त आदेश

ड्रग कंट्रोल अधिकारियों को निर्देश जारी

सभी ड्रग कंट्रोल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी यह सिरप उपलब्ध हो, उसे तुरंत जब्त कर सैंपल भरे जाएं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाए। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह आदेश पंजाब की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं, दवा लाइसेंस धारकों, मेडिकल स्टोरों और अस्पतालों को अमल के लिए भेज दिया गया है, ताकि घटिया गुणवत्ता वाली दवा से किसी भी प्रकार के नुकसान को समय रहते रोका जा सके।

पहले चरण में जनगणना के दौरान नागरिकों से पूछे जायेंगे 33 सवाल

*** एक अप्रैल से 30 सितंबर तक की जाएगी घरों की गणना**

*** दूसरे चरण में फरवरी, 2027 से की जाएगी देश में आबादी की गिनती**

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-जनगणना के पहले चरण में घरों की सूची बनाने एवं घरों की गणना करने के दौरान नागरिकों से पूछे जाने वाले 33 ने सवाल सरकार को सार्वजनिक कर दिए। एक गजट अधिसूचना में भारत के महापंजीयक मृत्युंजय कुमार नारायण ने सवालों की सूची जारी की। जनगणना 2027 का पहला चरण इस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्धारित 30 दिन की अवधि के दौरान होगा। 30 दिनों का चरण शुरू होने से ठीक पहले 15 दिन की अवधि में स्वगणना का भी विकल्प होगा। दूसरे चरण में फरवरी, 2027 से आबादी की गणना की जाएगी। सवालों की शुरुआत इमारत की संख्या (नगरपालिका या स्थानीय प्राधिकरण या जनगणना नंबर), घर की संख्या, घर के फर्श, दीवार और छत में इस्तेमाल होने वाली मुख्य सामग्री के बारे में पूछने से होगी इसके बाद गणनाकर्मी घर के उपयोग, उसकी स्थिति और घर में सामान्य तौर पर रहने वाले लोगों की संख्या के बारे में पूछेंगे।